मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 101
मंगलवार, 22 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की किरण बना, आशा का संचार कर रहा: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली, 21 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में वैश्विक स्तर पर भारत के उदय के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 21वीं सदी 'भारत की सदी' क्यों है, देश किस तरह तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया भर के निवेशक भारत के सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने को लेकर कैसे उत्साहित हैं। एनडीटीवी वर्ल्ड को लॉन्च करते हुए पीएम मोदी ने भारत के विकास की गति और गति के बारे में बात की। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत की तेज वृद्धि - दुनिया में सबसे तेज - और देश में बुनियादी ढांचे के निर्माण को देखते हुए, कई वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत के विकास के पूर्वानुमान को अपग्रेड किया है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया भर के निवेशक भारत के विकास पर उत्सुकता से नजर रख रहे हैं और सबसे तेजी से बढ़ते बाजार में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार देते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह उम्मीद की एक किरण बना है तथा आशा का संचार कर रहा है। समाचार चैनल एनडीटीवी की ओर से आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है और इसका पैमाना

अप्रत्याशित है।उन्होंने कहा, आज जब चर्चा का केंद्र चिंता ही है, तब भारत में चर्चा का विषय है भारत की शताब्दी। दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में डूबी है, तब भारत आशा का संचार कर रहा है। मोदी ने कहा कि हालांकि भारत की अपनी चिंताएं हैं, लेकिन इसमें सकारात्मकता की भावना है जो सभी भारत के लिए महसूस भी करते हैं। उन्होंने कहा, भारत आज एक विकासशील देश भी है और उभरती हुई शक्ति भी है। हम गरीबी की चुनौतियां भी समझते हैं और प्रगति का रास्ता बनाना भी जानते हैं। हमारी सरकार तेजी से नीतियां बना रही है, निर्णय ले रही है, नए सुधार कर रही है।

उन्होंने कहा, आज भारत हर सेक्टर में, हर क्षेत्र में जिस तेजी से काम कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। भारत की गति, भारत का पैमाना अप्रत्याशित है। प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल के शुरूआती 125 दिनों में किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है और यह 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प में भी दिखता है। उन्होंने कहा, हमने गरीबों के लिए 3 करोड़ घरों के निर्माण, 9 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और 15 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई है।

जम्मू-कश्मीर में हालात सुधारने की दिशा में काम करना होगा: सुरिंदर कुमार चौधरी

जम्मू, 21 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने गांदरबल में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि अतीत में चुनावों से पहले भी इसी प्रकार की घटनाएं हुई हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्थिति में सुधार की जरूरत है और उन्हें इस दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, जो कुछ हुआ वह बेहद गलत है और हमें इसके लिए गहरा दुख है। गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सुरंग निर्माण स्थल पर रविवार को हुए आतंकवादी हमले में एक स्थानीय चिकित्सक और छह गैर-स्थानीय श्रमिकों की मौत हो गयी तथा पांच अन्य लोग घायल हो गए।

आतंकवादियों ने उस समय हमला किया, जब जिले के गुंड

इलाके में एक सुरंग परियोजना पर कार्यरत मजदूर एवं अन्य कर्मी देर शाम अपने शिविर में लौटे थे। चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, चीजों में सुधार होने में कुछ समय लगेगा। उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री दोनों ने इस घटना को लेकर कहा है कि सख्त कार्रवाई की जाएगी। चौधरी ने कहा कि पुलिस महानिदेशक भी आतंकवादी हमले पर कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पहले भी चुनावों से पूर्व इस तरह की घटनाएं हुई हैं और यह उसी तरह की घटनाओं में से एक है। सरकार कभी नहीं चाहेगी कि ऐसी घटनाएं हों। उपमुख्यमंत्री ने कहा, हम निर्वाचित प्रतिनिधि हैं और हम इस तरह के कृत्यों का कड़ा विरोध करते हैं। चौधरी ने कहा कि उन्हें हमले में लोगों की मौत होने पर गहरा दुख है। उन्होंने कहा, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह इस त्रासदी में अपने प्रियजन को खोने वाले परिवारों को शक्ति प्रदान करें, ताकि वे (मृतकों के परिवार) इस दुख को सहन कर सकें। उन्होंने कहा, जो परिवार प्रभावित हुए हैं वे हमारे परिवार हैं और वे इस सरकार के परिवार का हिस्सा हैं।

गांदरबल हमले में शामिल आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा: अमित शाह

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। जम्मू कश्मीर के गांदरबल जिले में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि इस जघन्य कृत्य में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें सुरक्षा बलों की कठोरतम कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार को श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी में एक चिकित्सक और छह मजदूरों की मौत हो गई। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, जम्मू कश्मीर के गगनगीर में नागरिकों पर किया गया नृशंस आतंकवादी हमला कायरना हरकत है। इस जघन्य कृत्य में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें हमारे सुरक्षा बलों की कठोरतम कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। गृहमंत्री ने इस हमले में लोगों की मौत होने पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। अधिकारियों ने बताया कि अज्ञात आतंकवादियों ने यह हमला उस समय किया जब गांदरबल के गुंड में सुरंग परियोजना पर काम कर रहे मजदूर और अन्य कर्मचारी देर शाम अपने शिविर में लौट रहे थे।

हरियाणा का मुख्यमंत्री बनने के बाद नायब सिंह सैनी ने की जेपी नड्डा से मुलाकात

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर राज्य को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों पर मार्गदर्शन मांगा। बैठक के बाद सैनी ने एक्स पर लिखा, आज दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जेपी नड्डा जी से मुलाकात की तथा विभिन्न विषयों पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। बैठक का उद्देश्य हरियाणा को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करना था।

रविवार को, नई सरकार के शपथ ग्रहण के कुछ ही दिनों बाद, मुख्यमंत्री सैनी ने गृह और वित्त सहित प्रमुख विभागों को

अपने पास बरकरार रखा, क्योंकि मंत्रिपरिषद को कैबिनेट विभाग आवंटित किए गए थे। सैनी ने गृह, वित्त, आबकारी और कराधान, योजना, नगर और ग्राम नियोजन, शहरी संपदा, सूचना, जनसंपर्क, भाषा और संस्कृति, न्याय प्रशासन, सामान्य प्रशासन, सभी के लिए आवास, आपराधिक जांच (सीआईडी), कार्मिक और प्रशिक्षण, और कानून और विधायी विभागों की देखरेख की।

इस बीच, मंत्री अनिल विज को ऊर्जा, परिवहन और श्रम तथा मंत्री श्रुति चौधरी को महिला एवं बाल विकास के साथ-साथ सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग सौंपा गया। हरियाणा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के तहत नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने पंचकूला के सेक्टर 5 स्थित दशहरा मैदान में आयोजित समारोह में सैनी और उनके मंत्रिपरिषद को पद की शपथ दिलाई।

सैनी ने चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। हरियाणा प्रदेश के 2.80 करोड़ परिवारजनों की अथक सेवा करने का संकल्प लेते हुए मैंने प्रदेश के मुख्य सेवक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। मैं भावुक हूं और नतमस्तक हूं। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का संकल्प सर्वोपरि है। हरियाणा को सर्वश्रेष्ठ, समृद्ध और आत्मनिर्भर प्रदेश बनाने में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हमारी पूर्ण बहुमत वाली सरकार सेवा, सुशासन, समानता, समृद्धि और गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित होगी, हरियाणा के सीएम ने एक्स पर लिखा। विधानसभा चुनाव में 90 में से 48 सीटें जीतकर भाजपा हरियाणा में लगातार तीसरी बार सरकार बना रही है, जबकि कांग्रेस को 37 सीटें मिली हैं।

उत्तर प्रदेश में सपा की बैसाखी पर खड़ी है कांग्रेस: बृजभूषण शरण सिंह

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को पूरी तरह समाजवादी पार्टी (सपा) की बैसाखी पर खड़ी है, अगर इसे हट जाए तो कांग्रेस को उसकी औकात पता चल जाएगी। उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बिश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, प्रदेश में कांग्रेस पूर्ण रूप से बैसाखी पर खड़ी है। अगर सपा की यह बैसाखी हट जाए तो कांग्रेस को पता चल जाएगा कि उत्तर प्रदेश और देश में उसकी औकात क्या है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी खुद प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहते इसलिए वह बीच-

बीच में ऐसी हरकत कर दिया करते हैं, ऐसे बयान दे दिया करते हैं कि उन्हें खुद नहीं पता होता है कि उन्हें जाना कहां है और उनका रास्ता क्या है? इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन में शामिल सपा और कांग्रेस ने इसी साल संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में क्रमशः 37 और छह सीट जीती थीं। प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर अगले माह होने जा रहे उपचुनावों में सपा सात और कांग्रेस दो सीट पर उम्मीदवार उतारेगी।

चुनावी रण में उतरने के लिए तैयार हैं प्रियंका गांधी, पहली बार करेंगे नामांकन

वायनाड, 21 अक्टूबर वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव होने वाले है, जिसमें कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी इस बार चुनाव मैदान में उतरने वाली है। प्रियंका गांधी वाड्रा 23 अक्टूबर को अपना नामांकन दाखिल करेंगी। इस दौरान उनके साथ उनकी मां सोनिया गांधी, भाई राहुल गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उपस्थित रहेंगे।

कांग्रेस महासचिव और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की उम्मीदवार प्रियंका गांधी आगामी वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। ये फैसला होने के बाद प्रियंका गांधी ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मुलाकात की। केरल की वायनाड संसदीय सीट के लिए नामांकन और चुनाव प्रचार से पहले उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद लिया।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी वायनाड के कलपेट्टा में रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) के समक्ष नामांकन दाखिल करने के लिए उनके साथ रहेंगे। सूत्रों के अनुसार, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी सुबह 11 बजे रोड शो करेंगे और दोपहर 12 बजे नामांकन दाखिल करेंगे।

भारत के चुनाव आयोग द्वारा उपचुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद कांग्रेस ने 15 अक्टूबर को प्रियंका की उम्मीदवारी को मंजूरी

दी थी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से 19 अक्टूबर को जारी एक बयान में कहा गया कि उपचुनावों के मद्देनजर कांग्रेस ने सरल पटेल को तत्काल प्रभाव से वायनाड का मीडिया समन्वयक नियुक्त किया है।

इससे पहले रविवार को वायनाड सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार नव्या हरिप्रसाद ने कहा कि आगामी उपचुनावों में उनके प्रतिद्वंद्वी को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। नव्या हरिप्रसाद ने एएनआई से कहा, मेरी प्रतिद्वंद्वी प्रियंका गांधी हैं और मैं बस इतना कह सकती हूं कि कांग्रेस को वायनाड में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। राहुल गांधी ने रायबरेली में अपनी सीट बरकरार रखने के लिए वायनाड की अपनी सीट छोड़ दी है। जब वायनाड के लोगों को भारी हार का सामना करना पड़ा, तो उनके पास संसद में अपने मुद्दे उठाने के लिए कोई प्रतिनिधि नहीं था।

योगी सरकार को सुप्रीम कोर्ट का झटका

लखनऊ, 21 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मदरसा छात्रों को लेकर बड़ा आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने 21 अक्टूबर सोमवार को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) द्वारा जारी निदेर्शों के अमल पर रोक लगा दी, जिसमें यूपी सहित कई राज्यों से गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में शिफ्ट करने का आग्रह किया गया था. आज यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष आया, जिसमें जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज

मिश्रा शामिल थे। वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद की पैरवी की। पीठ के समक्ष यह तर्क दिया गया कि बाल अधिकार निकाय के निदेर्शों और कुछ राज्यों की कार्रवाइयों पर रोक लगाने की आवश्यकता है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा सरकारों की उस कार्रवाई को चुनौती दी है, जिसमें गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में शिफ्ट करने का निर्देश दिया गया है।सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि इस वर्ष 7 जून और 25 जून को जारी बाल अधिकार निकाय के निदेर्शों पर अमल नहीं किया जाना चाहिए तथा राज्यों के कार्रवाई आदेशों पर भी रोक रहेगी। जयसिंह ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि याचिकाकर्ता को याचिका में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाने की स्वतंत्रता दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम संगठन को उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा के अलावा अन्य राज्यों को अपनी याचिका में पक्षकार बनाने की अनुमति दी। याचिका अधिवक्ता फुजैल अहमद अय्यूबी के जरिये दायर की गई थी।

जहरीली होती हवा से गहराता सांसों का संकट

-ललित गर्ग

दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में अभी दीपावली आने में कुछ दिन है, उससे पहले ही जहरीली हवा एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनने लगा हैं और जहरीली होती हवा सांसों पर भारी पड़ने लगी है। एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआइ बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच चुका है। दिल्ली में औसत एक्यूआइ 293 पहुंच गया है। दिल्ली के अनेक क्षेत्रों में यह अभी से 300 पार जा चुका है। अतीत का अनुभव बताता है कि आने वाले दिनों में यह और बढ़ेगा। बढ़ते वायु प्रदूषण से जनता की सांसों पर गहराते संकट के समाधान के लिए सरकार के पास विभिन्न चरणों में लगाए जाने वाले प्रतिबंधों के अलावा कोई योजना नजर नहीं आती। दिल्ली सरकार जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुटेगा, बच्चों एवं बुजुर्गों के सामने बड़ा संकट खड़ा होगा, अगर दिल्ली सरकार सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर नहीं हैं, वह गंभीर होती तो पहले से कोई ठोस योजना बनाती। दिल्ली के वायु प्रदूषण एवं हवा के जहरीले होने में पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली का बड़ा योगदान बताया जाता है। उससे निपटने के प्रयासों के दावे भी राज्य सरकारों द्वारा किए जाते हैं पर वांछित परिणाम नजर नहीं आते। वायु

गुणवत्ता प्रबंधन के लिए बना आयोग भी जिम्मेदारी के निर्वाह में नाकाम नजर आता है। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती। सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? वैसे प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान भी निरन्तर चलाया जाना चाहिए। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता। सुप्रीम कोर्ट राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर कठोर टिप्पणियां करने के साथ सरकार को कठोर एवं प्रभावी कदम उठाने के लिये जागरूक करती रही है। हाल ही सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने से रोकने में पंजाब सरकार की नाकामी पर सख्त टिप्पणी भी की। पंजाब और दिल्ली, दोनों ही राज्यों में आम आदमी पार्टी की सरकारें हैं, इसलिए यह आप और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का मुद्दा भी बनता रहता है। ध्यान रहे कि पंजाब और दिल्ली के बीच स्थित राज्य हरियाणा में भाजपा की सरकार है। उत्तर प्रदेश में भी भाजपा सरकार है, जिसके पश्चिमी क्षेत्र के किसानों पर पराली जलाने का आरोप लगता रहता है। आम आदमी की सेहत ही नहीं, जीवन से भी जुड़े इस जानलेवा मुद्दे पर राजनीति नहीं, बल्कि ठोस समाधान की राह निकलनी चाहिए। हमारे राजनीति दल संवेदनहीन नहीं बल्कि संवेदनशील बने। दीपावली पर आतिशबाजी न हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न किये जाये। क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं हैं। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में पिछले कुछ सालों में कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है।

तमाम बंदीशों एवं चेतावनियों के दीपावली की रात आतिशबाजी जमकर होती है, इसके कारण पिछले साल अगले दिन वायु प्रदूषण 999 के बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था। यह आम आदमी की सेहत, खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 401 से 500 तक के एक्यूआइ को ही ह्यगंभीरह्न एवं खतरनाक माना जाता है। वायु प्रदूषण से जुड़े आंकडे हमें बार-बार सतर्क एवं सावधान करने के साथ डराते भी है। यह डराने वाला ही आंकड़ा है कि भारत में हर साल वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें होती हैं। देश में होने वाली मौतों का यह पांचवां बड़ा कारण है। दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण में पराली और पटाखों की ही तरह वाहनों एवं भवन-निर्माण से जुड़ा प्रदूषण भी खतरनाक होता है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया।

इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। क्या हमें किसी चाणक्य के पैदा होने तक इन्तजार करना पड़ेगा, जो जड़ों में मठ्ठा डाल सके।...नहीं, अब तो प्रत्येक राजनीतिक मन को चाणक्य बनना होगा। तभी विकराल होती वायु प्रदूषण की समस्या से मुक्ति मिलेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है। अभी से हर दिन पराली जलाने की घटनाएं दर्ज होने लगी है। क्या इसे रोकना वाकई इतना कठिन है? आखिर दिल्ली, पंजाब के साथ केंद्र सरकार इसके लिए क्या कर रही है कि किसान पराली न जलाएं? सच यह है कि इसके लिए कोई प्रभावी कोशिश हो ही नहीं रही है। किसानों से बात करने का साहस कोई भी सरकार नहीं दिखा रही है। ऐसा माहौल बना दिया गया है, मानो खेती के नाम पर कुछ भी करने की छूट है। इसका कारण राजनीतिक ही है। कोई किसान है, इसका यह अर्थ नहीं कि उसे वातावरण को दमघोंटू बनाने एवं लोगों के जीवन को संकट में डालने का अधिकार है। अभी से दिल्ली की आबोहवा बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। दिल्ली की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि यहां रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। सर्दियों के मौसम में हवा में घातक धातुएं होती हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसमें पराली के प्रदूषण से घातकता कई गुणा बढ़ जाती है। पटाखों का प्रदूषण उससे भी घातक है। 300 से अधिक एक्यूआइ वाले शहरों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले सांस के रूप में जहर खींचने को क्यों विवश है, इसके कारणों पर इतनी बार चर्चा हो चुकी है कि उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं।

जातीय आंदोलन से शुरू हुआ एक और राजनीतिक नेता मनोज जरांगे

अशोक भाटिया

मराठा आरक्षण आन्दोलन के कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र की उन विधानसभा सीटों पर मराठा उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है, जहां इस समुदाय के लोगों की अच्छी-खासी आबादी है। जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में जरांगे ने कहा कि वह केवल उन्हीं सीटों पर मराठा उम्मीदवार उतारेंगे, जहां समुदाय की जीत की संभावना है। जरांगे ने कहा कि उनका समूह अनुसूचित जाति (रउ) और अनुसूचित जनजाति (रळ) के लिए आरक्षित क्षेत्रों में मराठा मुद्दों का समर्थन करने वाले अन्य उम्मीदवारों का समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि जिन निर्वाचन क्षेत्रों में मराठा समुदाय की जीत की संभावना नहीं है, वहां उनका समूह पार्टी, जाति या धर्म की परवाह किए बिना उम्मीदवारों का समर्थन करेगा। बशर्ते वे आरक्षण की मांग का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हों।

मनोज जरांगे ने कहा कि जो उम्मीदवार उपरोक्त मांग से सहमत हैं, उन्हें लिखित प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर करना होगा। माना जा रहा है कि इस कदम से कई उम्मीदवारों का राजनीतिक समीकरण बिगड़ सकता है। मालूम हो कि महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी। जरांगे ने संभावित उम्मीदवारों से नामांकन पत्र दाखिल करने का आग्रह करते हुए कहा कि उनकी उम्मीदवारी के बारे में अंतिम निर्णय 29 अक्टूबर को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी उम्मीदवार से नामांकन वापस लेने का अनुरोध किया जाता है तो उसे इसका अनुपालन करके नामांकन पत्र वापस लेना होगा। हाल फिलहाल उन्होंने अपनी पार्टी का नाम नहीं रखा है। जरांगे ने कहा कि मराठा समाज का जो उम्मीदवार कहने के बावजूद नाम वापस नहीं लेगा, समाज समझेगा कि उसने पैसा खाया है। उन्होंने कहा कि मराठवाडा की कई सीटों पर मराठा वोटिंग 1 लाख से ज्यादा है। इतने बहुमत को तोड़ना किसी के लिए भी संभव नहीं है। कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में अन्य समीकरण महत्वपूर्ण हैं। वह उन समीकरणों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। अगर समीकरण जुड़ गए तो ठीक है, लेकिन अगर नहीं जुड़े, तो सबके लिए मुश्किल होगी। गौरतलब है कि 2015 गुजरात की राजनीति में एक महत्वपूर्ण वर्ष था, । उस वर्ष, राजस्थान के गुज्जर आंदोलन से प्रेरित होकर, गुजरात के पाटीदार समुदाय ने जुलाई के महीने में अपना आंदोलन शुरू किया, जिसमें ओबीसी दर्जे और प्रभावी रूप से सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग की गई।इस आंदोलन की अगुआई पाटीदार अनामत आंदोलन समिति ने की थी, जिसके नेता हार्दिक पटेल थे। उस समय उनकी लोकप्रियता, सिर्फ.22 साल की उम्र के बावजूद, इतनी ज्यादा थी कि लाखों पटेलों की भीड़ उन्हें पाटीदारों के साथ हो रहे अन्याय के बारे में बोलते हुए सुनने के लिए इकट्ठा हुई थी।इसी पाटीदार आंदोलन से गुजरात में एक राजनीतिक नेता तैयार हो गए हार्दिक पटेल । इसी से प्रेरित होकर शायद महाराष्ट्र में जातीय आन्दोलन कर रहे मनोज जरांगे-पाटिल भी राजनीतिक क्षेत्र में कूद पड़े है ।

मनोज जरांगे-पाटिल के मराठा आरक्षण आन्दोलन की कहानी भी गुजरात के हार्दिक पटेल से मिलाती जुलती है इस साल अगस्त के आखिर से, महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त मराठवाड़ा क्षेत्र से आने वाले 41 वर्षीय मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे-पाटिल ने राज्य में सभी मराठों के लिए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में पूर्ण आरक्षण की मांग करके एकनाथ शिंदे सरकार को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है । श्री जरांगे -पाटिल ने 2 नवंबर को अपना दूसरा अनशन वापस ले लिया, जब सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें मराठों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रमाण पत्र देकर और उन्हें ओबीसी कुनबी श्रेणी में शामिल करके आरक्षण देने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए और समय (2 जनवरी, 2024 तक) देने के लिए मना लिया। मराठा आरक्षण आंदोलन के पुनर्जीवित होने का तात्कालिक कारण जालना जिले (मुंबई से 400 किमी।) के अंतरवाली सरती गांव में 1 सितंबर को प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प थी, जहां श्री जारेंजे-पाटिल, जो अब तक अज्ञात थे, 29 अगस्त से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षाकर्मियों पर पथराव करके हिंसा शुरू करने का आरोप लगाया, जबकि आंदोलनकारियों ने दावा किया कि पुलिस ने उन पर अनुचित लाठीचार्ज किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

इस मुद्दे ने तेजी से राजनीतिक रंग ले लिया और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और श्री शिंदे द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के बावजूद, श्री जरांगे-पाटिल अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर चले गए, उन्होंने पीने का पानी भी त्याग दिया। श्री शिंदे के बार-बार मनाने के बाद कार्यकर्ता ने आखिरकार 14 सितंबर को हड़ताल वापस ले ली और सरकार को सभी मराठों को ओबीसी कुनबी समुदाय का सदस्य मानने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए 40 दिन की समयसीमा दी। मुख्यमंत्री ने मराठों को ओबीसी प्रमाण पत्र देने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित करने के लिए न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) संदीप शिंदे के नेतृत्व में पांच सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। हालांकि, 24 अक्टूबर को समय सीमा समाप्त होने पर श्री जारांगे-पाटिल ने अपनी दूसरी भूख हड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने घोषणा की कि जब तक मराठों को उनका कोटा नहीं मिल जाता, तब तक सभी राजनेताओं को गांवों में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए।

किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले मनोज जरांगे-पाटिल कभी जालना के युवा कांग्रेस जिला प्रमुख थे। उन्होंने 2003 में इस पद से इस्तीफा देकर 'शिवबा संगठन' नाम से अपना खुद का संगठन बनाया। श्री जरांगे-पाटिल के विरोध की प्रकृति 1982 की है, जब सतारा से कांग्रेस के विधायक अन्नासाहेब पाटिल ने आर्थिक मानदंडों के आधार पर आरक्षण की मांग करके अपनी पार्टी की लाइन के खिलाफ जाकर काम किया था। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे अपनी जान ले लेंगे और 1982 में उन्होंने दुखद रूप से खुद को गोली मार ली थी। अपने से पहले अन्नासाहेब की तरह, श्री जरांगे-पाटिल ने भी खुद को ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया है जिसे सत्ताधारी सत्ताधारी ₹संभाल नहीं सकते₹।

सरकार पर उनका दबाव ऐसे समय में आया है जब सत्तारूढ़ भाजपा महाराष्ट्र में राजनीतिक रूप से कमजोर है, और अपने गठबंधन सहयोगियों - सीएम शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) गुट के बीच सामंजस्य बनाए रखने और विदर्भ में अपने मूल ओबीसी मतदाता आधार को बरकरार रखने के लिए संघर्ष कर रही है।

दरअसल मराठा आरक्षण का मुद्दा 2016 में सुर्खियों में आया था, जब अहमदनगर के कोपार्डी में मराठा समुदाय की एक नाबालिग लड़की के बलात्कार-हत्या की घटना हुई थी, जिसके बाद मराठाओं ने राज्य भर में करीब 60 'मूक मोर्चा' (मौन रैलियां) निकाले थे, जो करीब दो साल तक चले थे। इन रैलियों ने मराठा आरक्षण के लिए समुदाय के लंबे समय से चले आ रहे दावे को सामने ला दिया। हालांकि, ये रैलियां काफी हद तक शांतिपूर्ण रहीं।

इसके विपरीत, श्री जारांगे-पाटिल के दूसरे भूख हड़ताल के दौरान आंदोलन ने मराठवाड़ा और अन्य जगहों पर अराजकता फैला दी, कार्यकर्ताओं ने वाहनों में तोड़फोड़ की और राजनेताओं और उनसे जुड़े लोगों के घरों में आग लगा दी। कुछ समय के लिए, इन कार्यकर्ताओं ने राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया, बस सेवाओं को बाधित किया और आवागमन को पूरी तरह से बाधित करने की धमकी दी। हिंसा विपक्ष और सत्तारूढ़ राजनेताओं दोनों के खिलाफ सामूहिक गुस्से का संकेत है, जो पिछले कुछ वर्षों में उनके खोखले वादों के लिए हैं। महाराष्ट्र के 20 मुख्यमंत्रियों में से 12 मराठा समुदाय से होने के बावजूद, मराठों के लिए आरक्षण अभी भी मायावी साबित हुआ है।

2018 में, महाराष्ट्र विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया था, जिसमें मराठा समुदाय को सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (रएइउ) का दर्जा देकर नौकरियों और शिक्षा में 16% आरक्षण दिया गया था। हालाँकि, इसे अंततः 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था। श्री जारंगी-पाटिल के ओबीसी जाति प्रमाण पत्र पर जोर देने से पूरे महाराष्ट्र में ओबीसी समुदाय के विरोध को उकसाया गया है, जो मराठों को उनके 19% आरक्षण पाई से लाभ खाने से डरते हैं। जारंग-पाटिल की मांगों के प्रति राज्य सरकार की स्पष्ट अधीनता से ओबीसी समुदाय असंतुष्ट हो रहा है, समुदाय के नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगर उसने ओबीसी प्रमाण पत्र के साथ मराठों को जारी किया तो निरंतर आंदोलन किया जाएगा। इस आंदोलन का भी असर हुआ है, धनगर समुदाय के सदस्यों ने राज्य भर में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है, जो अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल होने की मांग कर रहे हैं।श्री जारंग-पाटिल को शांत करने के लिए, सीएम शिंदे और उनके मंत्रिमंडल ने न्यायमूर्ति शिंदे समिति द्वारा प्रस्तुत पहली रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है और मराठवाड़ा क्षेत्र में मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने की प्रक्रिया तय करने के लिए एक सरकारी प्रस्ताव जारी किया है। हालांकि, शिंदे-भाजपा-एनसीपी एक मुश्किल स्थिति में हैं, श्री जारंग-पाटिल ने चेतावनी दी है कि अगर वे दूसरी समय सीमा से पहले कोटा देने में विफल रहे, तो वह सभी राजनेताओं की जीवन रेखाओं को ₹चोकर₹ कर देंगे।अब देखने वाली बात यह है कि वो कितने उम्मीदवार खड़े करेंगे और जरांगे अपने इस नए रूप में कितने सफल हो पाते है?

नेट पर बढ़ती निर्भरता शोध के दायरे को सीमित कर सकती है

-प्रियंका सौरभ

नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट जिसे यूजीसी नेट या एनटीए-यूजीसी-नेट के रूप में भी जाना जाता है, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर के लेक्चररशिप के लिए योग्यता और भारतीय नागरिकों के लिए जूनियर रिसर्च फेलोशिप के पुरस्कार के लिए निर्धारित करने के लिए एक परीक्षा है। इसका उद्देश्य शिक्षण व्यवसायों और अनुसंधान में प्रवेशकों के लिए न्यूनतम मानक सुनिश्चित करना है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) सहायक प्रोफेसर के लिए पात्रता या केवल जूनियर रिसर्च फेलोशिप और सहायक प्रोफेसर की योग्यता के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों दोनों में भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए परीक्षण आयोजित करती है। पारंपरिक रूप से जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और सहायक प्रोफेसरशिप पात्रता के लिए उपयोग की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) अब भारत में पीएचडी प्रवेश के लिए एक प्रमुख मानदंड बन गई है। इस बदलाव ने अकादमिक समुदाय के भीतर इस चिंता के कारण काफी बहस छेड़ दी है कि क्या परीक्षण वास्तविक शोध क्षमता की पहचान करने के लिए उपयुक्त है। नेट एक बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) आधारित परीक्षा है जो मुख्य रूप से स्मृति और याददाश्त जैसी निचले क्रम की संज्ञानात्मक क्षमताओं का आकलन करती है। ये क्षमताएँ कुछ संदर्भों में उपयोगी हैं लेकिन डॉक्टरेट स्तर के अनुसंधान के लिए आवश्यक महत्त्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक कौशल का मूल्यांकन करने में कम पड़ जाती हैं।

पीएचडी अनुसंधान जटिल विचारों, मौजूदा ज्ञान के महत्त्वपूर्ण विश्लेषण और मूल अंतर्दृष्टि में योगदान करने के लिए रचनात्मकता की मांग करता है, विशेष रूप से साहित्य, सामाजिक विज्ञान और मानविकी जैसे विषयों में तथ्यात्मक स्मरण और तुच्छ प्रश्नों पर नेट का ध्यान उम्मीदवारों की प्रदर्शन करने की क्षमता को कमजोर करता है। सूक्ष्म तर्क विकसित करने और व्यापक सैद्धांतिक अवधारणाओं के साथ जुड़ने की उनकी क्षमता। नेट स्कोर पर निर्भरता से हाशिए पर रहने वाले समुदाय असमान रूप से प्रभावित होते हैं। इन छात्रों को अक्सर प्रणालीगत बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे संसाधनों तक सीमित पहुँच और उच्च लागत वाली कोचिंग, जो नेट पास करने के लिए तेजी से आवश्यक होती जा रही हैं। परिणामस्वरूप, इन पृष्ठभूमियों के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को उनकी बौद्धिक क्षमता के बावजूद पीएचडी कार्यक्रमों से बाहर रखा जा सकता है। नेट के माध्यम से पीएचडी प्रवेश के केंद्रीकरण से उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता को खतरा है। परंपरागत रूप से, विश्वविद्यालयों को अपने शोध प्रस्तावों, साक्षात्कार और अनुशासन-विशिष्ट परीक्षणों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन करने की स्वतंत्रता है। यह स्वायत्तता संस्थानों को उन उम्मीदवारों को भर्ती करने की अनुमति देती है जो उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप होते हैं। एक आकार-सभी के लिए उपयुक्त दृष्टिकोण के माध्यम से प्रवेश को केंद्रीकृत करने से उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक अनुसंधान के लिए महत्त्वपूर्ण विविधता और नवाचार के क्षीण होने का जोखिम होता है, जैसे कि सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) ने पहले ही भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में संस्थागत स्वायत्तता के क्षरण के बारे में चिंता जताई है।

नेट प्रणाली छात्रों को डॉक्टरेट अनुसंधान की कठोरता के लिए तैयार नहीं करती है। पीएचडी उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे मूल अंतर्दृष्टि प्रदान करें, सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित करें और विद्वानों के प्रवचन में संलग्न हों-प्रतिभाशाली छात्रों का विदेश में पलायन पीएचडी कार्यक्रमों के लिए संस्थानों को घरेलू प्रणाली की सीमाओं के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है, जहाँ मानकीकृत परीक्षण पर जोर को रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को दबाने के रूप में देखा जाता है। नेट पर बढ़ती निर्भरता अनजाने में भारत में शोध के दायरे को सीमित कर सकती है। अनुसंधान विचार, कार्यप्रणाली और परिप्रेक्ष्य की विविधता पर पनपता है। नेट जैसे मानकीकृत परीक्षण, जो आलोचनात्मक सोच पर याद रखने को प्राथमिकता देते हैं, ऐसे विद्वान पैदा कर सकते हैं जो परीक्षा उत्तीर्ण करने में माहिर हैं लेकिन ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की क्षमता का अभाव है, पूछताछ की यह संकीर्णता नवाचार और मूल विचारों के विकास, दोनों को सीमित कर सकती है शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

नेट पर बढ़ती निर्भरता अनजाने में भारत में शोध के दायरे को सीमित कर सकती है। अनुसंधान विचार, कार्यप्रणाली और परिप्रेक्ष्य की विविधता पर पनपता है। नेट जैसे मानकीकृत परीक्षण, जो आलोचनात्मक सोच पर याद रखने को प्राथमिकता देते हैं, ऐसे विद्वान पैदा कर सकते हैं जो परीक्षा उत्तीर्ण करने में माहिर हैं लेकिन ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की क्षमता का अभाव है, पूछताछ की यह संकीर्णता नवाचार और मूल विचारों के विकास, दोनों को सीमित कर सकती है शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। पीएचडी प्रवेश के लिए प्राथमिक मानदंड के रूप में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) का उपयोग अकादमिक जांच और आलोचनात्मक सोच के दायरे को सीमित कर रहा है।

संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के कई शीर्ष विश्वविद्यालय पीएचडी प्रवेश के लिए समग्र दृष्टिकोण का उपयोग करते हैं। इसमें उम्मीदवार के शोध प्रस्ताव, व्यक्तिगत बयान, अनुशंसा पत्र और अकादमिक इतिहास की विस्तृत समीक्षा शामिल है, जर्मनी में छात्र स्नातक अध्ययन से सीधे पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश कर सकते हैं, बशर्ते वे असाधारण शोध क्षमता और अकादमिक प्रदर्शन प्रदर्शित करें)) विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को पीएचडी कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना। आवेदकों का मूल्यांकन अनुसंधान में विभिन्न दृष्टिकोण लाने की उनकी क्षमता के आधार पर किया जाता है, जिसे अंतःविषय अध्ययन के लिए मूल्यवान माना जाता है। स्वीडन, फिनलैंड और डेनमार्क जैसे देशों में, विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करने के लिए उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग करते हैं कि पीएचडी उम्मीदवार वास्तविक दुनिया के साथ अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। एप्लिकेशन। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) उन छात्रों को प्रदर्शन-आधारित फेलोशिप प्रदान करता है जो अपने अकादमिक रिकॉर्ड, साक्षात्कार और प्रकाशनों के माध्यम से मजबूत शोध का वादा दिखाते हैं।

शिक्षा और अनुसंधान में भारत की वैश्विक आकांक्षाओं के लिए पीएचडी प्रवेश के लिए अधिक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है-जो रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और अकादमिक अनुसंधान में योगदान करने की क्षमता को महत्त्व देता है। व्यापक प्रवेश प्रक्रिया को अपनाकर, भारत अपने प्रतिभाशाली दिमागों को बरकरार रख सकता है, उच्च शिक्षा तक समावेशी पहुँच सुनिश्चित कर सकता है और अकादमिक अनुसंधान में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रह सकता है। वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए, भारत को एक समग्र प्रवेश प्रक्रिया अपनानी होगी जो अनुसंधान में नवाचार, रचनात्मकता और विविध दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है।

सर्वकालिक महानायिका उर्मिला

-राजकुमार जैन, स्वतंत्र लेखक

वर्तमान समय में टूटते बिखरते समाज को पुनः संगठित करने के लिये जरूरत है उर्मिला जैसी आत्मबल और चारित्रिक गुणों से भरपूर महिलाओं की जो समाज को एकजुट रख राष्ट्र को मजबूती प्रदान कर सकें। आज जरूरत है अपने बेटों को राम लक्ष्मण जैसे सशक्त बनाने की और बेटियों को उर्मिला जैसी परिवार को जोड़े रखने वाली सोच रखने की शिक्षा प्रदान करने की। मानस-मन्दिर में सती, पति की प्रतिमा थाप, जलती-सी उस विरह में, बनी आरती आप।

1931 में प्रकाशित हुए महाकाव्य साकेत में महाकवि मैथिलीशरण गुप्त ने माता उर्मिला के जीवन चरित्र का विस्तृत वर्णन किया है। वो जनकपुर के राजा जनक की दूसरी बेटी थी, उनकी माता रानी सुनयना थी और माता सीता उनकी बड़ी बहन थी। उर्मिला का परिचय पवित्र धर्म ग्रंथ रामायण/रामचरितमानस में भगवान श्रीराम के अनुज लक्ष्मण की पत्नी के रूप में मिलता है।

बचपन से श्रीराम की सेवा करने वाले लक्ष्मण ने बड़े भाई राम की सेवा के लिए उनके साथ वनवास जाने का निश्चय किया, और अपनी माता से इस बात की अनुमति ली। तत्पश्चात वह संकोच से यह सोचते हुए अपनी धर्मपत्नी उर्मिला के कक्ष की ओर बढ़ रहे थे कि माता से तो मैने आशीर्वाद ले लिया, लेकिन अब उर्मिला से कैसे आज्ञा लूंगा, मैं कैसे उसे समझाऊंगा, उससे क्या कहूंगा। लेकिन जब वो उर्मिला के कक्ष में पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उर्मिला आरती की थाल लिए खड़ी है। आरती उतारते हुए उर्मिला लक्ष्मण से कहती है कि आप मेरी चिंता मत कीजिए। आप अपने भ्राता की सेवा करिए। क्योंकि एक छोटे भाई के रूप में यही आपका सबसे बड़ा धर्म है और इस सेवाकार्य में कोई बाधा ना आए इसलिए मैं आपके साथ जाने की जिद नहीं करूंगी। यह सुनकर लक्ष्मण जी प्रसन्न हुए और कहा कि हे उर्मिला तुमने तो मेरा सारा असमंजस और संकोच दूर कर दिया है। जब राम, लक्ष्मण तथा जानकी 14 वर्ष के वनवास को जाने के लिए महल से निकलने लगे, तब माता सीता और प्रभु श्रीराम ने भी उर्मिला से अपने साथ में वन गमन के लिए आग्रह किया। परन्तु उर्मिला ने उन्हें परिवार के सदस्यों की देखभाल करने की प्राथमिक आवश्यकता से अवगत करवाया। और यह भी बताया की स्वयं लक्ष्मण आपके साथ दास के रूप में जा रहे हैं और आपकी सेवा में व्यस्त रहेंगे। ऐसे समय में मेरी (उर्मिला की) उपस्थिति कहीं मोहवश उनको (लक्ष्मण को) कर्तव्य -पथ से विरक्त न कर दे इसीलिए मैने लक्ष्मण के साथ वन न जाने का निश्चिय किया है। परिवार की देखभाल को ही सर्वोपरि मान उर्मिला ने स्वयं इस विरह-व्यथा को चुना। इससे उद्दात नारी चरित्र हमारे किसी और ग्रन्थ में दिखाई नहीं पड़ता है। माता उर्मिला पारिवारिक गृहस्थ धर्म की पावन परम्परा की अमिट प्रतीक हैं । एक पत्नी को पति का धर्मसंकट कैसे दूर करना चाहिए। एक बहु को संकट समय में परिवार का साथ कैसे निभाना चाहिए। एक कर्त्तव्यपरायण, जिम्मेदार और समझदार गृहलक्ष्मी का क्या धर्म होता है, उर्मिला इसका साक्षात प्रमाण है। जिस पति से नवब्याहता पत्नी क्षण भर भी दूर नहीं रहना चाहती उससे चौदह वर्षों तक पृथक रहना उर्मिला के विशाल आत्मबल का परिचायक है। जिस समय कोई भी नववधू अपने पति से विलग रहने का सोच भी नहीं सकती, ऐसे समय ससुराल परिवार की देखभाल का विशाल दायित्व अपने नवयुवा कंधों पर लेना उर्मिला के स्वभाव और चरित्र की दृढ़ता को दर्शाता है। माता उर्मिला को त्याग की देवी कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है। क्योंकि उर्मिला के इस स्वैच्छिक त्याग के बिना लक्ष्मण कभी अपने कर्तव्य-पथ की यात्रा को पूर्ण नहीं कर सकते थे। उर्मिला का त्याग मानस के पात्रों मे सर्वोच्च है। उर्मिला समान और कोई नारी पात्र अन्य किसी ग्रंथ या साहित्य में आज तक पढ़ने में नही आया। लेकिन रामायण में अगर कोई सबसे अधिक उपेक्षित और अनदेखा पात्र है तो वह है देवी उर्मिला। रामायण और रामचरितमानस दोनों में ही उर्मिला के इस महान जीवनवृत का अपेक्षाकृत बहुत कम चित्रण है। जबकि वह एक अत्यन्त उत्कृष्ट एवं सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नारी पात्र हैं। वस्तुतः एक नारी ही परिवार को जोड़े रखने में सक्षम है इस बात को पुरुष प्रधान समाज ने कभी स्वीकार नहीं किया। अपने जीवन के सबसे विकट क्षणों में उर्मिला आंसू भी न बहा सकी क्योंकि वो जानती थीं कि अगर वह अपने दुःख में डूबी रहेंगी तो परिजनों का ख्याल नहीं रख पाएंगी। क्या कोई कल्पना कर सकता है कि अपने पति को चौदह वर्षों के लिए अपने से दूर जाने देना और उसकी विदाई पर आंसू भी न बहाना किसी नवविवाहिता के लिए कितना कष्टकारी हो सकता है। उनके माता पिता से अपनी बेटी का यह हृदय विदारक दुख देखा नहीं जाता था। महाराज जनक उर्मिला को मायके यानि मिथिला ले जाना चाहते थे, ताकि मां और सखियों के सान्निध्य में उर्मिला का पति वियोग का दुःख कुछ कम हो सके परन्तु उर्मिला ने मिथिला जाने से सादर इंकार कर दिया, यह कहते हुए कि अब पति के परिजनों के साथ रहना और दुख में उनका साथ न छोड़ना ही अब उसका धर्म है। माता उर्मिला के चरित्र में संस्कृति बोध व्यापक रूप दृष्टिगोचर होता है। उनके आचरण में वियोग जनित , उद्वेग, प्रलाप, उन्माद, व्याधि, जडता, अभिलाषा, चिंता, स्मृति, गुण कथन मरण के साथ ही सत्यनिष्ठा, वचन बध्दता, आतिथ्य, धर्म, पतिव्रत, परदुखकातरता इत्यादि जीवन आदर्श भी स्पष्ट दिखाई पड़ते हैं। यह उर्मिला की अवर्णित, अचर्चित, अघोषित महानता थी। उर्मिला के महान चरित्र, परिवार के प्रति समर्पण, स्नेह और त्याग की चर्चा ग्रंथों में अपेक्षित थी पर वह हो न सका। पति से प्रेम रखने वाले महिलाओं के महिमामंडन से साहित्य जगत भरा पड़ा है लेकिन संपूर्ण भारतीय साहित्य में एक भी रचना नारी के अपने परिवार के प्रति प्रेम के इस मूल भाव को केंद्र में रखकर नहीं लिखी गई है। वर्तमान समय में टूटते बिखरते समाज को पुनः संगठित करने के लिये जरूरत है उर्मिला जैसी आत्मबल और चारित्रिक गुणों से भरपूर महिलाओं की जो समाज को एकजुट रख राष्ट्र को मजबूती प्रदान कर सकें। आज जरूरत है अपने बेटों को राम लक्ष्मण जैसे सशक्त बनाने की और बेटियों को उर्मिला जैसी परिवार को जोड़े रखने वाली सोच रखने की शिक्षा प्रदान करने की।

ब्लू पेबल लिमिटेड ने शानदार वित्त परिणाम घोषित किए

मुंबई। पर्यावरणीय ब्रांडिंग और डायनेमिक ऑफिस स्पेस डिजाइन के लीडर ब्लू पेबल लिमिटेड, ने वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही के लिए अपने फाइनेंसियल रिजल्ट्स की घोषणा की। कंपनी ने स्ट्रेटेजिक डाइवरसिफि केशन और इनोवेटिव डिजाइन सोल्यूशंस के चलते मजबूत वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही में ऑपरेशंस से रेवन्यू 77.41% से बढ़ कर रू 2338.52 लाख रहा जो पिछले वर्ष की समान अवधि में रू 1318.08 लाख था। वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही में एबिडटा 20.20% से बढ़ कर रू 469.50 लाख रहा जो पिछले वर्ष की समान अवधि में रू 390.59 लाख था। वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही में प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पैट) 29.03% से बढ़ कर रू 376.93 लाख रहा जो पिछले वर्ष की समान अवधि में रू 292.11 लाख था। वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही में नेट वर्थ 333.23% से बढ़ कर रू 2624.12 लाख रही जो पिछले वर्ष की समान अवधि में रू 605.70 लाख थी। ब्लू पेबल लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, नलिन गगरानी ने कहा, वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही में ब्लू पेबल के लिए काफी खास रही हैं। एनवायर्नमेंटल ब्रांडिंग पर हमारे खास फोकस के साथ, हमने डिजाइन और बिल्ड स्पेस में 3एम के लिए हमारे पहले प्रोजेक्ट के साथ सफलतापूर्वक डाइवरसिफि केशन किया है। हम अपने डिजिटल इमर्सिव बिजनेस का भी विस्तार कर रहे हैं, जिसमें एआर, वीआर और एआई कैपेबिलिटीज विकसित की गई हैं, जो पहले ही एक मुख्य मल्टीनेशनल बैंक के सहयोग से लागू की जा चुकी हैं। ये इनोवेशन हमारे कस्टमर के लिए कंप्रिहेंसिव, टेक्नोलॉजी ड्रिवेन सोल्यूशंस को प्रदान करने की हमारे कमिटमेंट को दशार्ते हैं। आगे की छमाही को लेकर, हमें विश्वास है कि हमारा जारी डाइवरसिफि केशन और इनोवेशन के प्रति कमिटमेंट हमारे स्टेकहोल्डर्स के लिए अच्छी ग्रोथ और वैल्युएबल होगा। वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही में ब्लू पेबल ने रेवन्यू और प्रॉफिट में लगातार वृद्धि के साथ महत्वपूर्ण प्रगति की। कंपनी ने अपनी सर्विसेज का एक्सपीनशन करते हुए नए और रिलेवेंट सेगमेंट में भी प्रवेश किया। विशेष रूप से, ब्लू पेबल ने ब्लोबल कंपनी, 3एम के साथ अपना पहला डिजाइन और बिल्ड प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक पूरा किया, जिससे भविष्य के कई बड़े प्रोजेक्ट्स की नींव रखी गई है। साथ ही, ब्लू पेबल ने डिजिटल इमर्सिव स्पेस में अपनी कैपेबिलिटीज को बढ़ाया है, जिसमें उन्नत एआर, विआर और एआई टेक्नोलॉजीज को एडवांस्ड किया गया है। इन कैपेबिलिटीज का पहले ही एक प्रमुख मल्टीनेशनल बैंक के लिए एक बड़े प्रोजेक्ट में सफलतापूर्वक उपयोग किया जा चुका है, जो कंपनी की काम्प्लेक्स और हाई-टेक सोल्यूशंस देने की क्षमता को दशार्ता है।

फ्रीओ ने आईआरडीएआई से कॉपोर्रेट एजेंट लाइसेंस प्राप्त किया

मुंबई। भारत के अग्रणी डिजिटल फाइनेंस ऐप फ्रीओ ने भारत के बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) से कॉपोर्रेट एजेंट लाइसेंस प्राप्त कर लिया है। यह उपलब्धि फ्रीओ को अपने 25 मिलियन पंजीकृत यूजर्स को टॉप बीमा प्रदाताओं के साथ साझेदारी में कई तरह के क्यूरेटेड बीमा प्रोडक्ट प्रदान करने की अनुमति देती है। अपने नए लाइसेंस के साथ फ्रेओ यूपीआई, लोन, सेविंग आदि जैसी अपनी मौजूदा सेवाओं के साथ-साथ बीमा प्रोडक्ट्स को शामिल करने के लिए विस्तार कर रहा है। अपनी लाभप्रदता की उपलब्धि तक पहुंचने के बाद यह कदम ग्राहकों को डिजिटल फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स का पूरा सूट प्रदान करते हुए वन-स्टॉप समाधान के रूप में फ्रीओ की स्थिति को मजबूत करता है। फ्रीओ 1200 से अधिक शहरों में अपने 25 मिलियन से अधिक यूजर्स के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए किफायती और समझने में आसान बीमा प्रोडक्ट्स की एक विविध शृंखला पेश कर रहा है। ये पेशकश यूजर्स को उनके दैनिक जीवन में होने वाले वित्तीय जोखिमों को कम करने के लिए डिजाइन की गई हैं। बीमा कवर विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष योजनाएँ, वित्तीय बोझ को कम करने के लिए मौजूदा स्वास्थ्य पॉलिसियों पर टॉप-अप ऑप्शन और मलेरिया और डेंगू जैसी सामान्य बीमारियों के लिए कवरेज शामिल हैं। फ्रीओ साइबर धोखाधड़ी, नौकरी छूटने और अन्य के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करने की योजना भी बना रहा है - यह सब जेब पर बोझ डाले बिना व्यापक कवरेज प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। फ्रीओ के सह-संस्थापक और सीईओ कुणाल वर्मा ने बताया श्फ्रीओ में हमारा मानना है कि बीमा सरल, भरोसेमंद और हर किसी की पहुँच में होना चाहिए। हम फ्रीओ ग्राहकों को अधिक मूल्य प्रदान करने के उद्देश्य से एक पूरी तरह से एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक सहज अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एयरटेल, मुंबई मेट्रो की बीकेसी से आरे को जोड़ने वाली लाइन-3 पर प्रदान करेगा निर्बाध 5जी कनेक्टिविटी

मुंबई। भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक भारती एयरटेल ने घोषणा की है कि वह नवनिर्मित मुंबई मेट्रो लाइन-3, जिसे एक्वा लाइन के रूप में भी जाना जाता है, के दस नए स्टेशनों पर निर्बाध 5जी कनेक्टिविटी प्रदान करने वाला पहला दूरसंचार सेवा प्रदाता है । यह भूमिगत इंफ्रास्ट्रक्चर वित्तीय राजधानी को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से आरे तक जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो महत्वपूर्ण जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड (जेवीएलआर) खंड में फैला हुआ है। भारती एयरटेल के मुंबई के सीईओ आदित्य कांकरिया ने कहा, श्एक्वा लाइन के साथ हमारे नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने और मजबूत करने में रणनीतिक रूप से निवेश करके, हमने ग्राहकों को शहर की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में निर्बाध, हाई-स्पीड मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। हमारी प्रतिबद्धता मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो लाइन के साथ हमारे जुड़ाव से और भी स्पष्ट हो जाती है, जो यह सुनिश्चित करेगी कि ग्राहक अपने दैनिक आवागमन के अभिन्न अंग के रूप में विश्वसनीय, तेज-तर्रार इंटरनेट कनेक्टिविटी का आनंद ले सकें। जैसा कि मुंबई कुशल, तकनीकी रूप से उन्नत सार्वजनिक परिवहन के इस नए युग में प्रवेश कर रहा है, एयरटेल अपनी हाई-स्पीड 5जी कनेक्टिविटी के साथ इस आवागमन अनुभव को शानदार बनाने के लिए तैयार है।

मुंबई की बहुप्रतीक्षित एक्वा लाइन- शहर की पहली भूमिगत मेट्रो प्रणाली, शहरी परिवहन में क्रांति लाने और इस व्यस्त महानगर के लिए कुशल, उच्च तकनीक के साथ यात्रा के एक नए युग की शुरूआत करने के लिए तैयार है। 33.5 किलोमीटर लंबी यह अत्याधुनिक मेट्रो लाइन प्रतिष्ठित टर्मिनल 2 (टी2) हवाई अड्डे और सांताक्रूज जैसे प्रमुख केंद्रों को जोड़ेगी। पूरे 33.5 किलोमीटर के रूट पर, एयरटेल ने अपनी 5जी क्षमताओं को बढ़ाया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि यात्री अपनी यात्रा के दौरान तेज मोबाइल इंटरनेट, क्रिस्टल-क्लियर वॉयस कॉल और निर्बाध डेटा ट्रांसमिशन का आनंद ले सकें। दस भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में से प्रत्येक पर समर्पित इन-बिल्डिंग प्रबंध किया गया हैं, जो उच्च-गुणवत्ता वाली निरंतर कनेक्टिविटी की गारंटी देते हुए यात्रा अनुभव को सुखद बना देगा।

बीजेपी ने जारी की महाराष्ट्र चुनाव की पहली लिस्ट

प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से मैदान में उतारा

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी की इस सूची में कुल 99 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं, जिनमें 71 वर्तमान विधायक भी हैं। पार्टी ने प्रमुख चेहरों जैसे उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण-पश्चिम और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से टिकट दिया है। बीजेपी ने इस बार कुछ नए चेहरों को भी मौका दिया है। इस सूची में राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम प्रमुख है, जो नागपुर साउथ वेस्ट से चुनाव लड़ेंगे। तो वहीं जबकि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से मैदान में उतारा गया है।

चंद्रशेखर कृष्णराव बावनकुले भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र के अध्यक्ष हैं और 2 जनवरी 2022 को नागपुर स्थानीय प्राधिकरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य हैं। वे 13वीं महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य थे। इसके साथ ही वे ऊर्जा, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा महाराष्ट्र के मंत्री, राज्य उत्पाद शुल्क मंत्रालय और 26 दिसंबर 2014 को नागपुर संरक्षक मंत्री भी नियुक्त किए गए थे। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बावनकुले ने 2004, 2009 और 2014 में वहां से चुने जाकर कामठी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें 2012 में देवेंद्र फड़नवीस की टीम में भारतीय जनता पार्टी, महाराष्ट्र राज्य इकाई का सचिव बनाया गया था। कैबिनेट विस्तार में उन्हें 10 जुलाई 2016 को राज्य आबकारी विभाग का प्रभार दिया गया। चंद्रशेखर बावनकुले का जन्म कामठी में एक मराठी तेली परिवार में हुआ था। उनकी शादी ज्योति बावनकुले से हुई और उनके दो बच्चे हैं। भाजपा नेता बावनकुले का जन्म और पालन-पोषण एक किसान परिवार में हुआ, जिसकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी। नागपुर के पास स्थित कोराडी वह स्थान है जहाँ उन्होंने विज्ञान संकाय में उच्च शिक्षा प्राप्त की और प्रथम वर्ष पूरा किया। बावनकुले का करियर नब्बे के दशक की शुरूआत में शुरू हुआ, उन्होंने छत्रपति सेना की शुरूआत की और 1994 तक इसका सामाजिक कार्य जारी रखा। इसके बाद वे 1995 में गोपीनाथ मुंडे और नितिन गडकरी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए और 1995 में महाराष्ट्र में भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष बने ।

राष्ट्रीय लोकदल के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष बने डॉ. वेदप्रकाश तिवारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए की सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल ने राज्य में अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है. रविवार 20 अक्टूबर को राष्ट्रीय लोक दल की ओर से मुंबई में कार्यकताओं की एक बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह के निदेर्शानुसार पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी एवं महाराष्ट्र प्रभारी विवेक पांडे की उपस्थिति में डॉ. वेद प्रकाश तिवारी को महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई. पार्टी महासचिव त्रिलोक त्यागी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए आशंका जताई कि बढ़ती बेरोजगारी के कारण देश का युवा गलत रास्ते पर जा रहा है. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर त्रिलोक त्यागी ने कहा कि वह प्रदेश कार्यकारिणी की राय लेने के बाद आगे का फैसला लेंगे।

चेंबूर के सुभाष नगर भाऊ प्रधान उद्यान को सर्कस के लिए दिए जाने पर पूर्व नगरसेविका आशाताई मराठे ने जताया तीव्र विरोध

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एक तरफ दिवाली का पर्व करीब है स्कूलों में छुट्टियां होने वाली हैं वहीं दूसरी तरफ मनपा और पुलिस प्रशासन ने 28 अक्टूबर से 11 दिसंबर तक चेंबूर सुभाष नगर के भाऊ प्रधान उद्यान में श्रॉयल सर्कसश्र आयोजित करने की अनुमति दी है। जो सरासर सुभाष नगर के निवासियों और स्कूली बच्चों के साथ अन्याय है। सुभाष नगर के उद्यान को मनपा और पुलिस द्वारा रॉयल सर्कस को दिए जाने पर भारतीय जनता पार्टी वार्ड क्रमांक १५२ की नगरसेविका आशाताई सुभाष मराठे ने सख्त विरोध जताया है। उनका कहना है कि चुनाव के बाद से लगातार सुभाष नगर भाऊ प्रधान स्टेडियम या पप्पू गार्डन को म्हाडा से मनपा को स्थानांतरित करने और इन दोनों उद्यानों के सुशोभीकरण के लिए निरंतर प्रयास करती रही हैं। यहां तक कि उद्यान में विभिन्न सुविधाओं को मुहैया कराने के लिए नगरसेविका ने आंदोलन भी किया । लेकिन उसके बाद भी मैदान के सुशोभीकरण को लेकर म्हाडा और मनपा दोनों ही उदासीन रही। किंतु आश्चर्य की बात है कि श्रॉयल सर्कसश्र के आयोजन में सबसे अधिक तत्परता दिखाई गई। इस कारण डेढ़ महीने तक युवाओं, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को इस मैदान से वंचित रहना पड़ेगा, जबकि दिवाली पर्व में बच्चों की छुट्टियां हैं। फिर स्कूलों में छुट्टी होने पर भी खेल के मैदान के दरवाजे बंद रहेंगे। इसके अलावा यदि मैदान सर्कस को दे दिया गया तो इसमें कोई संदेह नहीं कि जब तंबू गाड़ा जाएगा तो गड्ढे के कारण जमीन खराब हो जाएगी।

फिर डेढ़ माह तक सुभाषनगर वासियों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर सर्कस दिखाने वाले प्रशासन की नगरसेविका ने कड़ी निंदा है और किसी भी हालत में श्रॉयल सर्कसश्र का मंचन न होने के लिए सुभाष नगर वासियों से इस पवित्र कार्य में सहयोग की अपील की है। वहीं आशा ताई मराठे ने सवाल उठाया कि गार्डन के सुशोभीकरण के बारे में जब म्हाडा से पत्र व्यवहार किया जाता है तो वह मनपा की जिम्मेदारी है ऐसा कहकर पल्ला झाड़ लेती है फिर मनपा ने रॉयल सर्कस को किस आधार पर भाड़े पर दिया और भाड़ा क्यों वसूला? ऐसा सवाल मनपा से किया है।

बीजेपी उम्मीदवार का शिंदे गुट का जमकर विरोध

शिंदे गुट अपने वरिष्ठ नेताओं से नाराज

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में महायुति में बगावत के संकेत मिल रहे है। कल्याण पूर्व विधानसभा में शिंदे गुट और भाजपा का आपसी विवाद फिर एक बार सामने आया है। कल्याण पूर्व विधानसभा 142 सीट से बीजेपी ने सुलभा गणपत गायकवाड को प्रत्याशी बनाया है, जिसे लेकर शिवसेना शिंदे गुट ने नाराजगी जताई है।

शिंदे गुट के कार्यकताओं ने सुलभा गायकवाड की उम्मीदवारी पर विरोध जताया है। इस विषय में सोमवार को कल्याण पूर्व में शिंदे गुट की एक बैठक हुई। इस बैठक में सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरूष पदाधिकारी उपस्थित होकर एकमत से शिंदे गुट ने बीजेपी का प्रचार नहीं करने की चेतावनी महायुति के वरिष्ठ नेताओं को दी है । इस बैठक में शिंदे गुट के पूर्व नगर सेवक भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे । नगर सेवकों के आरोप था कि पिछले 15 वर्षों से वर्तमान विधायक गणपत गायकवाड़ ने शहर में कोई काम नही किया । शहर में जनता की मूलभूत सुविधाएं सभी नदारद है। इस नाराजगी को वरिष्ठ नेता कैसे हल करेंगें यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

हाऊसिंग डॉटकॉम ने प्रॉपर्टी खोजने के अनुभव को और बेहतर बनाया

मुंबई। भारत के नंबर 1 रियल एस्टेट ऐप, हाऊसिंग डॉटकॉम ने हाउसिंग स्टोरीज और हाउसिंग शॉर्ट्स का अनावरण किया है, जो प्रॉपर्टी देखने में बदलाव लाने के लिए डिजाइन किए गए अभूतपूर्व फीचर्स हैं। सोशल मीडिया से प्रेरित शॉर्ट वीडियो फॉर्मेट के साथ, इस नवीन लॉन्च से डेवलपर्स और ब्रोकर साझेदारों को घर चाहने वालों के साथ सहजता से जुड़ने की सहूलियत मिलेगी, जिससे प्रॉपर्टी खोजना अधिक आकर्षक और इंटरैक्टिव हो जाएगा।

हाउसिंग स्टोरीज ग्राहकों द्वारा शेयर किए गए अनफि ल्टर्ड वीडियो या इमेज का इस्तेमाल करके बनाई जाती हैं, जिनसे प्रॉपर्टी की एक प्रामाणिक झलक मिलती है। इसके अलावा, हाउसिंग शॉर्ट्स एक इंटरैक्टिव एआई एंकर पेश करता है जो यूजर्स को प्रॉपर्टी की हाइलाइट्स से गाइड करता है, और डेवलपर्स या एजेंटों से मिले महत्वपूर्ण विवरण प्रदान करता है। यह यूजर-फ्रेंडली प्रस्ताव प्रॉपर्टी खोजने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करके दर्शकों के अनुभव को बढ़ाता है, जिससे यह प्रक्रिया खरीदने या किराए पर लेने के इच्छुक संभावित होमसीकर्स के लिए कुशल और सुखद दोनों हो जाती है।

हाऊसिंग डॉटकॉम के प्रोडक्ट एवं डिजाइन हेड, श्री संगीत अग्रवाल ने कहा, हमारा मानना है कि प्रॉपटेक सेक्टर एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जो तकनीकी प्रगति और उपभोक्ताओं के बदलते व्यवहार से प्रेरित है। हाऊसिंग डॉटकॉम के हाउसिंग स्टोरीज और हाउसिंग शॉर्ट्स जैसे नवाचार न केवल प्रॉपर्टी खोजने की प्रक्रिया को सरल बनाते हैं, बल्कि यूजर्स को सोशल मीडिया कॉन्टेंट ब्राउज करने जैसे तरीके से घरों खोजने की भी सुविधा देता है। यह हमें उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं से संबंधित मूल्यवान जानकारी भी देता है, जिससे हम अपनी पेशकशों को और अधिक वैयक्तिकृत और आकर्षक अनुभव बेहतर बनाने में सक्षम होते हैं। प्री-लॉन्च चरण के दौरान, हाउसिंग स्टोरीज को प्रभावशाली ढंग से अपनाया गया, जहां लगभग 1,000 ग्राहकों ने इस सुविधा का लाभ उठाया और 100,000 से अधिक प्रॉपर्टी खोजने वालों ने सक्रिय रूप से इन स्टोरीज को देखा। इस शुरूआती सफलता ने सर्च रिजल्ट्स पेज पर प्रॉपर्टी की विज़िबिलिटी में उल्लेखनीय वृद्धि की, जिससे कुछ खास जगहों में संभावित खरीदारों की सटीक टारगेटिंग संभव हो सकी। परिणामस्वरूप, इस सहभागिता में 30% से अधिक की वृद्धि हुई, जो यूजर्स और प्रॉपर्टी लिस्टिंग के बीच प्रबल कनेक्शंस को बढ़ावा देने में प्लेटफॉर्म की प्रभावशीलता को दशार्ता है, और यूजर इंटरैक्शन को आगे बढ़ाने को लेकर इस फीचर की मजबूत क्षमता का प्रदर्शन करता है।

हाऊसिंग डॉटकॉम हाउसिंग स्टोरीज और हाउसिंग शॉर्ट्स की शुरूआत करके नवीनता की सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है, और उपभोक्ताओं की सहभागिता के लिए शॉर्ट-फॉर्म वीडियो कॉन्टेंट की बढ़ती लोकप्रियता का लाभ उठा रहा है। बिक्री या किराए दोनों हेतु रियल एस्टेट डेवलपर्स और एजेंटों के लिए तैयार किए गए प्रीमियम पैकेज की पेशकश करके, यह प्लेटफॉर्म वेब और ऐप दोनों पर सहभागिता बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए दमदार प्रमोशनल टूल्स प्रदान करता है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मनाया गया पुलिस स्मृति दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिला मुख्यालय अंतर्गत स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय पालघर में सोमवार 21 अक्टूबर 2024 को पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए देश के लिए अपनी जान को न्योछावर करने वाले ऐसे महान सपूतों को श्रद्धांजलि देने हेतु विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पुलिस विभाग द्वारा पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। बतादें कि सालों साल के दौरान अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान गंवा चुके पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु हर वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसलिए विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पालघर जिलाधिकारी गोविंद बोडके, पोलिस अधीक्षक पालघर बालासाहेब पाटील, अपर पुलिस अधीक्षक पालघर विनायक नरले की विशेष उपस्थित में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर बने शहीद स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें नमन किया गया।इस अवसर पर पालघर जिलाधिकारी गोविंद बोडके, पोलिस अधीक्षक पालघर बालासाहेब पाटील, अपर पुलिस अधीक्षक पालघर विनायक नरले के अलावा अन्य पुलिस अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित पुलिस कर्मचारीयों एवं सिपाहियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित कर शहीद पुलिस जवानों को नमन किया गया।

डी बीयर्स फॉरएवरमार्क मिलेमोई कलेक्शन के साथ मनाएँ इस दिवाली

मुंबई/पटना। इस दिवाली, डी बीयर्स फॉरएवरमार्क के मिलेमोई कलेक्शन से प्राकृतिक हीरों की चमक के साथ अपने उत्सवों को रोशन करें, जो खुशी, रोशनी और एकजुटता के मौसम का जश्न मनाने के लिए एक आदर्श उपहार है। मिलेमोई नाम इतालवी शब्द श्मिलेश से प्रेरित है, जिसका अर्थ है श्हजारश, और फ्रेंच शब्द श्मोईश जिसका अर्थ है श्मैं।श यह महिलाओं की विविधता और व्यक्तित्व का जश्न मनाता है, जो जीवन में उनकी कई भूमिकाओं को दशार्ता है। मिलेमोई संग्रह इस सार को खूबसूरती से दशार्ता है, इसके सोने के बहते हुए बैंड और चमकदार प्राकृतिक हीरे परंपरा, व्यक्तिगत अभिव्यक्ति और ताकत के विभिन्न पहलुओं का प्रतीक हैं। जिस तरह दिवाली में रोशनी, खुशी और एकजुटता का जश्न मनाया जाता है, उसी तरह यह कलेक्शन जीवन की कई परतों की खूबसूरती को दशार्ता है, जो इसे त्यौहारों के मौसम के लिए एक सार्थक और कालातीत विकल्प बनाता है। दिवाली से पहले की खरीदारी से लेकर लक्ष्मी पूजा तक, मिलेमोई कलेक्शन ऐसे आभूषण पेश करता है जो हर परंपरा को खूबसूरती से पूरा करते हैं। इसका मल्टी-स्ट्रैंड डिजाइन जीवन के परस्पर जुड़ाव का प्रतीक है, जबकि प्रत्येक पीस में लगा हीरा शुद्धता और चमक को दशार्ता है, जो हमारे घरों को रोशन करने वाले दिवाली के दीयों के समान है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

17 दिनों से गायब किशोर का तालाब में शव मिलने से इलाके में मचा हड़कंप

(प्रियेश गुप्ता रुद्र संवाददाता)

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के ख्वाजापुर गांव में बीते चार अक्टूबर को गायब हुए बालक की लाश 17वें दिन गांव के ही तालाब में हुई उतराई मिली। लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटनास्थल पर पहुंची मृतक की मां ने बेटे के शव की शिनाख्त की। तालाब के किनारे ही टाइप किया हुआ दो पन्ने का पेपर बरामद किया गया।जिसमें पैसों के लेन देन का जिक्र किया गया है।घटना स्थल पर एसपी सिटी अरविंद वर्मा, एसडीएम राजेश चौरसिया, सीओ अजीत सिंह चौहान समेत सरपतहां व खेतासराय थाने के प्रभारी निरीक्षक पहुंच गए और घटना के विषय में जानकारी लेते रहे।

मृतक की मां ने गांव के ही निवासी तीन सगे भाइयों और उनके पिता के खिलाफ पुरानी रंजिश में हत्या का आरोप लगाते हुए। नामजद तहरीर दी है।ख्वाजापुर निवासी आसमां बानो पत्नी शारुल्ला का सात वर्षीय पुत्र अरबाज बीते चार अक्टूबर को गांव के राम जानकी मंदिर पर खेलते समय रहस्यमय ढंग से लापता हो गया था । मां ने घटना की तहरीर थाने पर देकर अज्ञात के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कराया था। सोमवार की सुबह कुछ ग्रामीण तालाब की तरफ शौच को गये थे। वहां पानी में एक बालक का औंधे मुंह पड़ा शव देखकर वो सन्न रह गए। शोर मचाने पर तमाम ग्रामीण मौके पर जुट गए। गांव से पखवाड़े भर पहले गायब हुए बालक का शव होने की आशंका में उसकी मां को भी बुलाया गया। शव पानी से बाहर निकालते ही मां अपने बेटे को पहचान फफक कर रो पड़ी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। आवश्यक कार्रवाई के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटनास्थल से टाइप किया हुआ दो पन्ने का पेपर भी बरामद हुआ। जिसमें बालक का अपहरण कर उसकी मां आसमां बानो को अपने पास बुलाने के दबाव के साथ साथ पैसों के लेन देन के चलते हत्या का जिक्र किया गया था। फिलहाल पुलिस इसे बहुत पुख्ता मानकर नहीं चल रही है। मृतक की मां आसमां बानो ने गांव के ही तीन सगे भाई अकबर, हैदर उर्फ मजनू, असगर और पिता नुरुल्लाह के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए नामजद तहरीर दी है। क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान ने बताया कि शव के पास एक पोस्टर मिला, जिसका मकसद ध्यान भटकाना लग रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस तमाम पहलुओं पर जांच कर रही हैं। संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

लेखपाल व सेक्रेटरी की शह पर नवीन परती की जमीन कब्जा करने का लगा आरोप

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। तहसील केराकत के लुखरूरी जमुवारी पोस्ट अमरा थाना गौरा बादशाहपुर निवासी राम प्रसाद पाल का आरोप है कि नवीन परती आ0नं0 201/0.0450 हे0 नवीन परती भूमि पर प्रार्थी के पूर्वजों द्वारा कच्ची बखरी बनाई गई थी। पीड़ित का पूरा परिवार उसी कच्ची मिट्टी की बखरी में रहता था। कच्ची मिट्टी की बखरी गिरने के बाद सभी लोग अपने-अपने बटवाँरे की जमीन पर मड़हा रखकर रहने लगे। पीड़ित दो भाई हैं पीड़ित पूरी जमीन में 1/2 का हिस्सेदार है। गिरी हुई बखरी पर पीड़ित जब अपने हिस्से की जमीन में घर बनाने गया तो लेखपाल द्वारा पीड़ित का घर नहीं बनने दिया गया।और हल्का लेखपाल द्वारा कहा गया कि नवीन परती की सरकारी जमीन है इस पर कोई निर्माण नहीं होगा। पीड़ित इस जमीन के सम्बन्ध में एक मुकदमा 1520/2022 रामप्रसाद पाल बनाम सुखदेव पाल न्यायालय सिविल जज (जू०डि०) शाहगंज, जौनपुर की अदालत में दाखिल किया है। जो अभी भी विचाराधीन है 15/10/2024 को मौके पर जिलाधिकारी जौनपुर व उपजिलाधिकारी केराकत व अन्य अधिकारीगण व पूरा पुलिस मोहकमा मौजूद था मौके पर उपजिलाधिकारी केराकत द्वारा कहा गया कि नवीन परती की भूमि में मड़हा व पतरा हटा लिया जाए और पूरी जमीन खाली कर दी जाए कानूनगो व लेखपाल से

उपजिलाधिकारी केराकत ने मौके पर कहा था कि आ0नं0 201/0.0450 हे0 नवीन परती भूमि से सुखदेव पाल पुत्र स्व० अमरनाथ पाल का कब्जा हटाकर जमीन खाली करा दी जाए इसके बाद भी हल्का लेखपाल नवीन परती की भूमि पर सरकारी आवास व मकान बनवाने पर आमादा है। जब कि जिलाधिकारी व पीड़ित व पीड़ित के भाई सुखदेव पाल से गले भी मिलवाया इसके बावजूद भी हल्का लेखपाल व कानूनगो नवीन परती की भूमि पर निर्माण कराने पर आमादा हैं। हल्का लेखपाल तहसील केराकत ने पीड़ित से चैलेंज भी किया है कि शनिवार से नवीन परती की भूमि पर सरकारी आवास व मकान का निर्माण करवाया जाएगा देखता हूँ कौन रोकता है पीड़ित ने ने कहा कि जिलाधिकारी से आपकी शिकायत करूँगा तो हल्का लेखपाल ने कहा कि बहुत जिलाधिकारी देखा हूँ। पीड़ित लेखपाल की बात से बहुत ही भयभीत हो गया है। इस सम्बन्ध में लेखपाल द्वारा बताया गया कि कार्य रुकवाने का कार्य किया गया था लेकिन कानूनगो साहब ने निर्देश देते हुए कार्य फिर से शुरू करवा दिया है वहीं कानूंनगो ने दूरभाष द्वारा बताया कि काम रुकवा दिया गया है लेकिन कार्य अभी भी जारी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में उत्कृट कार्य करने वाले सचिव सम्मानित

(निशानाथ संवाददाता)

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड शाहगंज सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 2024 के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम विकास अधिकारी विपिन कुमार यादव और ग्राम पंचायत अधिकारी संजय यादव को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। खण्ड विकास अधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह और एडीओ आईएसबी संजय श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से इन अधिकारियों को सम्मानित करते हुए उनके समर्पण और मेहनत की सराहना की। बीडीओ सिंह ने कहा कि इन अधिकारियों की निष्ठा और कर्मठता से योजना के लाभार्थियों को आवास सुविधा समय पर मिली है। उन्होंने दोनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उक्त अवसर पर सचिव सुजीत कुमार यादव, नरेंद्र गौतम, शिवमूर्ति यादव, भोले यादव, राकेश सिंह, अजीत यादव, हरिश्चंद्र, विनोद, संतोष राजभर, दीपक सिंह आदि उपस्थित रहे।

मटरू बिंद की मौत से परिवार बेसहारा, मिले इंसाफ और आर्थिक सहायता: राकेश मौर्य

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। शाहगंज थाने में मटरू बिंद की कथित आत्महत्या के बाद आज सुबह 11 बजे सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य एवं पूर्व मंत्री शैलेन्द्र यादव ललई के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल मृतक मटरू बिंद के घर जाकर बढ़ौना, बड़ागांव शाहगंज उनके परिवार से मिलकर घटना की पूरी जानकारी ली तथा अपनी संवेदना व्यक्त कर सांत्वना दी।

घटना की जानकारी देते हुए मृतक मटरू बिंद की पत्नी निनका देवी और बेटी पूजा बिंद ने बताया कि 18 अक्टूबर शुक्रवार को मेरे पिताजी घर से दिन में 12 बजे समान लेने गए थे वहीं से पुलिस ने पकड़ लिया और रातभर थाने में रखकर मारा पीटा जिससे उनकी मौत हो गई। 19 अक्टूबर को ग्राम प्रधान के माध्यम से थाने बुलाया गया और ये बताया गया कि मेरे पिताजी ने थाने के शौचालय में आत्महत्या कर लिया। ग्राम प्रधान और गांव वालों के माध्यम से पंचनामा और पोस्टमार्टम कराकर जौनपुर रामघाट पर ही पुलिस की कस्टडी में ही जबरदस्ती अंत्येष्टि करा दी गई। शव को परिवार वालों के देना तो दूर मृतक का अंतिम दर्शन का भी मौका नहीं दिया गया। घटना के बारे में बताते बताते मृतक मटरू बिंद की पत्नी और बेटी का रो रो कर बुरा हाल हो गया। परिवार वालों ने कहा कि मेरे पिता की पीटने से मृत्यु की आशंका जाहिर की है और हम लोग बेसहारा हो गए मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर हमें न्याय चाहिए। सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि घटना की जानकारी से पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को अवगत कराउंगा।

समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उक्त प्रतिनिधि मंडल में सपा के ज़िला उपाध्यक्ष विक्रमजीत बिंद, राजेंद्र यादव, ज़िलासचिव गुलाब यादव रीठी, जीशान खान, रामानंद बिंद सहित शाहगंज विधानसभा अध्यक्ष मिथिलेश यादव एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

चोरी के आरोप में दो चोर को दुकानदार ने पकड़ कर किया पुलिस के हवाले

मानीकलाँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय क्षेत्र के कस्बा मानीकला में एक मिठाई की दुकान से दो बार में 50 हजार रुपये चोरी के आरोप में सीसीटीवी फुटेज की मदद से दुकानदार ने आरोपियों को पकड़ लिया। तहरीर देने के बाद दोनों आरोपियों को रविवार की शाम पुलिस के हवाले कर दिया। जबकि पुलिस ऐसे किसी भी मामले से इनकार कर रही है। मानी कला निवासी राजेंद्र मोदनवाल की बाजार में मिठाई की दुकान के साथ कोल्डड्रिंक की एजेंसी है। आरोप है कि 24 सितंबर को 35 हजार और 18 अक्तूबर को 15 हजार गल्ला में से चोरी हो गया।

सीसी टीवी में चोरी की हरकत हुई थी कैद

दूसरी बार चोरी होने पर दुकानदार ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो गांव के ही दो युवक पहचान में आ गए। शाम को दुकान के आसपास घूमते देख दोनों आरोपियों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। प्रभारी निरीक्षक दीपेन्द्र सिंह का कहना है कि ऐसी कोई सूचना नहीं है और न ही कोई तहरीर मिली है। समाचार लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्द नहीं हुई थी।

पुलिस स्मृति दिवस 2024 पुलिस लाइन जौनपुर में सम्पन्न

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जनपद में ह्यपुलिस स्मृति दिवस' के अवसर पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्राणों की आहुति देने वाले

पुलिसकर्मियों की याद में स्मृति परेड हुई। डॉ.अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपने संबोधन में सभी पुलिसकर्मियों को एक वर्ष में शहीद हुए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को याद करते हुए उनकी शौर्य गाथा बताई गई। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक नगर व ग्रामीण, सभी सर्किल के क्षेत्राधिकारीगणों, प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन्स एवं उपस्थित पुलिसकर्मियों के साथ ह्यपावन स्मृति पुस्तिकाह्न को पढ़कर कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहूति देने वाले शहीद पुलिसकर्मियों को याद करते हुए 02 मिनट का मौन रखा गया तथा पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

वाराणसी के टकटकपुर स्थित कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग महिला की जलकर हुई मौत

डॉ.एस.के.मिश्र ज़िला संवाददाता

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी-टकटकपुर स्थित कबाड़ गोदाम में सोमवार को भीषण आग लगने से एक महिला की जिंदा जलकर मौत हो गई।जबकि अन्य परिजनों के झुलसने की भी खबर है। यह घटना तब घटी जब गोदाम में सीएनजी गैस की टंकी को गैस कटर से काटा जा रहा था।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, गोदाम के मालिक ने अचानक कटर चलाना शुरू कर दिया। जिससे टंकी में भरी गैस ने आग पकड़ ली। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि धमाके की आवाज दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। घटना के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया।लेकिन तब तक गोदाम का सारा सामान जलकर राख हो चुका था। गोदाम के मालिक पंकज ठठेरा ने बताया कि उन्होंने कुछ दिन पहले पुराने सीएनजी गैस सिलेंडर की खरीदारी की थी। सोमवार को जब उनके कर्मचारी बाढू और प्रमोद सिलेंडर को काट रहे थे तब पंकज ने उन्हें गैस रिसाव की जांच करने के लिए कहा। लेकिन कर्मचारी ने उसकी बात को नजरअंदाज कर दिया। अचानक आग लगने पर दोनों कर्मचारी कटर और सिलेंडर छोड़कर भागने लगे। इस बीच, पंकज की मां फूला देवी, जो गोदाम में बैठी थीं।आग की चपेट में आ गईं। भागने के प्रयास में वह गिर पड़ीं और दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।लेकिन किसी ने भी आग में घिरी महिला को बचाने की हिम्मत नहीं जुटाई। घटना की जानकारी मिलते ही पंकज और उनके परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे। इस दौरान कैंट थाना की पुलिस और इंस्पेक्टर राजकुमार भी पहुंचे। वाराणसी के एडीसीपी वरुणा जोन, सरवणन टी. भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। फायर सर्विस के जवानों ने आधे घंटे में आग पर काबू पाया।जबकि स्थानीय लोग पंकज की मां के अधजले शव को देखकर विलाप करते रहे। घटना के लिए दोनों कर्मचारियों को लापरवाह बताते हुए पंकज गमगीन नजर आए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। यह भी पता करने की कोशिश की जा रही है कि सीएनजी की टंकी कहां से आई थी।

युवक का अपरहण कर चाचा के मोबाइल पर भेजा 40 लाख रूपए देने का मैसेज

रियाजुल हक ज़िला क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। सुरेरी थाना क्षेत्र के हनुमानगंज (अड़ियार) गांव निवासी प्रदीप गुप्ता की बाजार में ही सोने-चांदी की दुकान है। इसके अलावा वह बर्तन और फर्नीचर का भी करोबार भी करता हैं। प्रदीप के 24 वर्षीय पुत्र सूरज गुप्ता भी कारोबार में साथ में रहता हैं। 18 अक्तूबर की भोर में सूरज टहलने के लिए घर से निकला तो वापस नहीं लौटने पर परिजन परेशान होकर खोजने लगे। 19 अक्तूबर की सुबह सूरज के चाचा राजीव गुप्ता के मोबाइल पर सूरज के ही मोबाइल से वाट्सअप मैसेज आया।बदमाशों ने सूरज के अपहरण करने की बात करते हुए 40 लाख रुपये की फिरौती मांगी। कुछ देर बाद एक फोटो भी भेजी गई, जिसमें सूरज बदमाशों के बीच में कार में बैठा दिखाई दिया। मैसेज में 24 घंटे में फिरौती की रकम न देने पर अंजाम भुगतने की धमकी भी दी गई है। यह देखते ही परिवार में हड़कंप मच गया।सूरज के पिता प्रदीप गुप्ता ने मामले की सूचना सुरेरी पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा ने बताया पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा पंजीकृत कर खोजबीन की जा रही है। क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं विवेक सिंह ने बताया कि तीन टीमें लगातार कार्य कर रही हैं। अभी तक युवक का कोई सुराग नहीं मिला है।

आरएसकेडी पीजी कालेज जौनपुर एवं इंडियन रेडक्रास सोसायटी के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

रियाजुल हक संवाददाता

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। राजा श्री कृष्ण दत्त महाविद्यालय जौनपुर एवं इंडियन रेडक्रास सोसायटी जौनपुर के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन

सोमवार को कालेज परिसर में किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह ने किया। शिविर में डॉ लक्ष्मी सिंह ने कहा कि जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करने में सुखद अनुभूति का एहसास होता है। उन्होंने छात्रों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करें, रक्तदान करने से नुकसान नहीं होते हैं बल्कि लाभ ही होते हैं। रक्तदान से अधिक से अधिक जरूरतमंदों की मदद होती है इसलिए रक्तदान अवश्य करें। शिविर में प्राचार्य डॉ शम्भू राम ने कहा कि रक्तदान का महत्व तब समझ में आता है जब दुर्घटना हो जाती है।और ब्लड की आवश्यकता होती है इसलिए सभी लोग अधिक से अधिक रक्तदान करें। डॉ.मनोज वत्स ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नही है एक व्यक्ति के रक्त देने से चार लोगों को फायदा हो सकता है। रक्तदान करने से किसी भी प्रकार की कोई कमजोरी नही होती है स्वस्थ व्यक्ति हर 4 महीने में रक्त दे सकता है। इस अवसर पर कुल 25 यूनिट रक्तदान किया गया। इस रक्तदान शिविर में डॉ विजय प्रताप तिवारी , डॉ लाल साहब यादव,डॉ.आशीष शुक्ला,डॉ.धर्मवीर सिंह डॉ.मनोज तिवारी ,अखिलेश गौतम, डॉ.संतोष पांडेय ,डॉ.मनोज पाठक ,डा. के. के. पांडेय, अरुण सिंह शालिनी मौर्य, संतोष शुक्ला, आदि ने रक्तदान के कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में उन्होंने स्टांप, राजस्व, परिवहन कर और आबकारी सहित अन्य विभागों की राजस्व वसूली की समीक्षा की। उन्होंने स्टाम्प और बिक्री कर में प्रगति लाने के निर्देश दिए। बिक्री कर में प्रवर्तन की कार्यवाही कम पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त कि और संबंधित अधिकारी को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए।विद्युत विभाग के समीक्षा के दौरान निर्देश दिया कि बड़े बकायेदार पर आरसी की कार्यवाही की जाए और दुर्गा पूजा के दौरान अच्छा कार्य करने वाले सभी तहसीलों से 02-02 लाइनमैन को बुलाकर सम्मानित किया जाए। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी स्तर पर लम्बित पुराने मुकदमों की समीक्षा की और अभियान चलाकर निस्तारण करने और कृषक दुर्घटना बीमा में प्रगति लाने के निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए।इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, उपजिलाधिकारी सहित अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

बीएचयू में धरने का चौथा दिन आज, छात्रों में बढ़ रहा आक्रोश, नहीं हो रही सुनवाई

डॉ.एस.के. मिश्र ज़िला संवाददाता

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सेंट्रल ऑफिस के बाहर चौथे दिन भी अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा। छात्रों ने कहा कि अब रात के वक्त सांप और बिच्छू भी धरना स्थल तक आ जा रहे हैं। सभी छात्र जमीन पर फोम के गद्दे पर बिछाकर सो रहे हैं। उनकी जान को खतरा पैदा हो गया है। लेकिन, अभी तक विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से बातचीत करने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है। छात्रों ने कहा कि बीते रविवार को रात यहां बिच्छू निकला था। बड़ी मुश्किल से भगाया गया, फिर सांप भी रेंगते हुए आया। सभी छात्र डर गए। यहां खुले में सोने में बहुत भय सा है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सेंट्रल ऑफिस के बाहर चौथे दिन भी अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा। छात्रों ने कहा कि अब रात के वक्त सांप और बिच्छू भी धरना स्थल तक आ जा रहे हैं। सभी छात्र जमीन पर फोम के गद्दे पर बिछाकर सो रहे हैं। उनकी जान को खतरा पैदा हो गया है। लेकिन, अभी तक विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से बातचीत करने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है। छात्रों ने कहा कि बीते रविवार को रात यहां बिच्छू निकला था। बड़ी मुश्किल से भगाया गया, फिर सांप भी रेंगते हुए आया। सभी छात्र डर गए। यहां खुले में सोने में बहुत भय सा है। छात्रों द्वारा इंस्टिट्यूट ऑफ एमीनेंस के मद में आए हुए धन तथा उसके आधार पर किए गए सलाहकारों की नियुक्ति की सूची मांगी है। विश्वविद्यालय प्रशासन इस मामले में लम्बे समय से आनाकानी कर रहा है। छात्रों ने छात्रावास में मेस की दुर्व्यवस्था तथा उसमें कमीशन खोरी का भी सवाल उठाया है। यह सभी मांगे जायज है। उन्होंने कहा कि छात्रों के जायज मांगों को लेकर पुराने छात्रों की भी एक बैठक शीघ्र बुलाई जाएगी। छात्र संघ की चुनाव न होने से छात्रों के ऊपर विश्वविद्यालय प्रशासन की तानाशाही बढ़ी है। एमफिल किए हुए छात्रों को शोध में प्रवेश से वंचित करके प्रशासन ने तानाशाही की कर दी है। डॉ. शुक्ल ने यह भी बताया कि छात्रों के धरना स्थल पर सांप और बिच्छू भी आ जा रहे हैं ऐसे में यदि कोई दुर्भाग्यपूर्ण घटना होती है।तो पूरा पूर्वांचल छात्र आंदोलन और अस्थिरता के चपेट आ जाएगा जिसका जिम्मेदार विश्वविद्यालय प्रशासन होगा। तब सभी विश्वविद्यालय प्रशासन के और दूरदर्शिता पर पश्चाताप करेंगे।

पीएम उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को नि:शुल्क गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अन्तर्गत आच्छादित लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रथम चरण में माह-अक्टूबर, 2024 से दिसम्बर, 2024 तक तथा द्वितीय चरण में जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक निःशुल्क सिलेण्डर प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समिति की बैठक आहूत की गयी।जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा शासनादेशानुसार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। शासनादेश के अन्तर्गत यह स्पष्ट उल्लेख है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के वह लाभार्थी, जिनके बैंक खाते आधार लिंक होंगे तथा जिनके आधार प्रमाणित होंगे, वहीं उक्त योजना हेतु पात्र होंगे तथा उन्हें ही निःशुल्क सिलेण्डर वितरित किया जायेगा। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अन्तर्गत तीनों ऑयल कम्पनियों के ऐसे लाभार्थी, जिनका आधार प्रमाणन होना पाया गया है।उन्हीं लाभार्थियों को सर्वप्रथम योजना का लाभ दिया जायेगा तथा उक्त लाभार्थियों के आधार प्रमाणित खातों में सब्सिडी स्थानान्तरित करने का सम्पूर्ण उत्तर दायित्व ऑयल कम्पनियों का होगा। ऑयल कम्पनियों द्वारा प्रत्येक दशा में आधार प्रमाणित खातों में ही सब्सिडी की धनराशि का अन्तरण सुनिश्चित किया जायेगा। उपभोक्ता अपने स्तर से प्रचलित उपभोक्ता दर (सब्सिडी सहित) के अनुसार भुगतान कर रिफिल प्राप्त करेगा, जिसके 03 से 04 दिन के उपरान्त योजनान्तर्गत दी जाने वाली सब्सिडी उसके आधार प्रमाणित खाते में ऑयल कम्पनियों द्वारा अन्तरित की जायेगी। ऑयल कम्पनियों द्वारा केन्द्रीय सब्सिडी तथा राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सब्सिडी का अन्तरण लाभार्थी के खाते में पृथक-पृथक अंतरित किया जायेगा। वर्तमान में जनपद-जौनपुर में कुल 404211 प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थी है, जिनमें से 98893 लाभार्थियों के आधार प्रमाणन की कार्यवाही अवशेष है। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में निर्देश दिये गये कि समस्त ऑयल कम्पनी अपने गैस एजेन्सियों के माध्यम से कैम्पों का आयोजन करते हुए अवशेष लाभार्थियों के आधार प्रमाणीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा उक्त कैम्पों में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाये। इसके अतिरिक्त योजना का विभिन्न प्रचार माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये, ताकि योजना का कोई भी लाभार्थी शासन की उक्त योजना के लाभ से वंचित न रहें। बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी को इस हेतु कार्ययोजना निर्धारित करते हुए अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गये। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) राम अक्षयबर चौहान, समस्त उपजिलाधिकारी, लीड बैंक मैनेजर, वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान एवं ऑयल कम्पनियों के जनपदीय समन्वयक उपस्थित रहे।

नगर कोतवाली क्षेत्र में जमीनी विवाद में बहन के ससुराल गए भाई पर हमला

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर, जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। नगर थाना क्षेत्र के कोतवाली अंतर्गत मोहल्ला मौजा मोहाल गाजी में जमीनी विवाद को लेकर एक महिला के भाई पर उसके जेठ और उनके बेटों ने मारा पीटा । जानकारी के अनुसार, साधना मौर्या की शादी 2002 में स्व. बाके लाल मौर्य के बेटे जिद्दे लाल मौर्य से हुई थी। 2010 में जिद्दे लाल की मौत के बाद, ससुराल वाले साधना को परेशान करने लगे। इसके चलते वह अपने दो बच्चों, आदित्य और साक्षी, के साथ 2011 में अपने मायके लौट आईं। साधना ने बताया कि वह अपने ससुराल कभी-कभी साफ-सफाई के लिए जाती थीं। लेकिन वहां पर उन्हें जेठ और जेठानी की ओर से लगातार अपमानित किया जाता रहा था । रविवार को जब साधना अपने भाई राजू मौर्य और मजदूरों को अपने साथ लेकर साफ-सफाई के लिए ससुराल गईं, तब उन्होंने देखा कि जेठ द्वारा उनकी जमीन में गंदा पानी बहाया जा रहा है। जब साधना ने इस पर आपत्ति जताई, तो राजनाथ मौर्या, उनके बेटे सत्यम, शुभम, शिवम व दूसरे जेठ के बेटे विशाल मौर्य, करन व राम मौर्य और अन्य रिश्तेदारों ने गाली-गलौच करते हुए साधना के भाई और दो मजदूरों पर हमला कर मारने पीटने लगे। घटना के बाद साधना ने थाना कोतवाली में तहरीर दी।लेकिन पुलिस ने आरोपियों में से केवल राजनाथ मौर्य व उनके बेटे शुभम मौर्य को थाने में बैठाया और बाद में छोड़ दिया। साधना ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा सही कार्रवाई न होने के कारण वह अब न्याय के लिए अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर काट रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जेठ ने उनकी बेटी और बेटे को जान से मारने की धमकी दी है। घटना रविवार को दोपहर 2:00 बजे की बताई जा रही है। अब पीड़ित महिला न्याय की आस में है और मामले की उचित जांच की मांग कर रही है। स्थानीय निवासियों ने भी पीड़िता के साथ हो रहे अत्याचार की निंदा की है और प्रशासन से जल्द ही कार्रवाई की अपील की है।

अभय राज बिंद के निधन पर बिंद समाज विकास संघ द्वारा शोक सभा आयोजित

भदोही (उत्तरशक्ति)। बुधवार को बिंद समाज विकास संघ के राष्ट्रीय सूचना मंत्री BSVS न्यूज के रिपोर्टर अरविंद कुमार बिंद के पिता अभयराज बिंद 60 वर्ष अपनेआवास ग्राम सभा, खेवखर, पोस्ट अभोली ,जिला भदोही में लंबी बीमारी से संघर्ष करते हुए 16 अक्टूबर को शाम लगभग 8:00 बजे रात को अंतिम सांस ली। उनकी मृत्यु की खबर सुनकर पूरे ग्राम सभा एवं जिला तथा समाज एवं गैर समाज के शुभचिंतकों में शोक की लहर छा गई। दुख की सूचना पर दुखित परिवार को हिम्मत देने उनके आवास पर लोगों की भीड़ जमा होने लगी। बिंद समाज विकास संघ ने गहरा दुख प्रकट करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की।

म्युनिसिपल मजदूर यूनियन सवेर्लेंस की मीटिंग संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका कर्मचारियों की धड़ाकेबाज यूनियन म्युनिसिपल मजदूर यूनियन मुंबई के सहायक सरचिटणीस प्रदीप गोविंद नारकर के नेतृत्व में अति आवश्यक बैठक शनिवार19 अक्टूबर को यूनियन सभागृह में सम्पन्न हुई। जिसमें वरिष्ठ मजदूर नेता एवं मार्गदर्शक विजय दाभोलकर, उपाध्यक्ष संदीप शंकर भरणकर, संगठक प्रवीण कदम, विठ्ठल गावड़े, सक्रिय कार्यकर्ता विनयकुमार शर्मा, भालचंद्र वाणी, मधुकर घुमे,सुनील वाघमारे,सुनील कर्पे, आनंद शेट्टी सहित गणेश गरगणे, प्रतिका गोरिवले, स्वाति माधव, राजाराम देसाई, भीमानंद सालवी, अभय हुकेरी, केतन कांबले, विनोद सोनावणे, तुषार लाड, सार्थक वाघमारे, पंकज साडविलकर उपस्थित थे। उक्त मीटिंग में सवेर्लेंस विभाग कर्मचारियों की पदोन्नति,वेतन विसंगति, ग्रेड-पे, पदोन्नति चैनल श्रृंखला जैसी आवश्यक विषय पर परिचर्चा हुई। सहायक सरचिटणीस प्रदीप गोविंद नारकर के नेतृत्व में कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण जो विगत कई वर्षों से प्रलंबित था वह मार्ग पर चलते हुए प्रफुल्लित हो रहा है। उपस्थित सभी कर्मचारियों ने अपने सहायक सरचिटणीस प्रदीप गोविंद नारकर साहेब का कर्तल ध्वनि से सम्मान किया। अंत में संगठक प्रवीण कदम ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए मीटिंग का समापन किया।

अमेजन एमएक्स प्लेयर के प्लेग्राउंड सीजन-4 में ग्लैमर और ड्रामा, एक्शन और भरपूर मनोरंजन के लिए हो जाइए तैयार

मुंबई। अमेजन की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, अमेजन एमएक्स प्लेयर ने आज बड़े उत्साह के साथ प्लेग्राउंड एस4 में नए मेन्टॉर के रूप में ऊर्फी जावेद के शामिल होने की घोषणा की है। ऊर्फी जावेद बेबाक अंदाज वाले फैशन स्टेटमेंट और सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड शख़्सियत के लिए जानी जाती हैं, और यकीनन उनके आने के बाद यह शो हर लिहाज से और भी धमाकेदार होने वाला है, जिसमें नई-नई चुनौतियाँ सामने आएंगी जो सभी कंटेस्टेंट को अपने-अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने पर मजबूर कर देंगी। इस शो में पहले से ही पहले से ही मुनव्वर फारूकी, एल्विश यादव, मिथपैट और मॉर्टल जैसे पावरहाउस मेन्टॉर की मौजूदगी में कंटेस्टेंट जबरदस्त मुकाबले का सामना कर रहे हैं, और यकीनन ऊर्फी के आने के बाद क्रिएटिविटी और उत्साह का स्तर दोगुना हो जाएगा, साथ ही इस कॉन्टेस्ट में कई रोमांचक मोड़ भी सामने आएंगे। प्लेग्राउंड एस4 ने पहले ही दिलो-दिमाग को झकझोर देने वाली चुनौतियों और बेहद होनहार कंटेस्टेंट्स के जज्बातों से भरे ड्रामा से दर्शकों का दिल जीत लिया है। यकीनन ऊर्फी अपने खास अंदाज से उनके मुकाबले को स्तर को और भी चुनौतीपूर्ण बना देंगी। बारीकियों पर उनकी पैनी नजर होगी और वे अपने खेल में सच्चे बने रहने पर जोर देंगी, जिसकी वजह से सभी खिलाड़ी उनका दिल जीतने के लिए अपने खेल को और बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे और मुकाबले का रोमांच कई गुना बढ़ जाएगा। शो के इस पहलू में हुए बदलाव के बाद कंटेस्टेंट्स के बीच एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश, ड्रामा और मनोरंजन का स्तर सातवें आसमान पर होगा, और यकीनन दर्शक भी दिल थामकर यह शो देखने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था खस्ताहाल

-लाल शेखर सिंह

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई विरार शहर में तेजी से बदलते मौसम ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। नतीजतन बड़ी तादाद में लोग सर्दी, जुकाम, टाइफाइड और मलेरिया जैसी बीमारियों की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। सरकारी अस्पतालों की स्थिति जगजाहिर होने के कारण निजी अस्पतालों में शरणागत होना मरीजों की मजबूरी है। जहाँ जाँच और इलाज के लिए उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। क्षेत्र के जाने माने कई समाजसेवियों व अनेक जागरूक नागरिकों ने सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था जनाकांक्षाओं के अनुरूप किए जाने तथा शल्य क्रिया के अतिरिक्त कुछ अन्य बड़ी बीमारियों को भी आयुष्मान कार्ड के दायरे में लाए जाने की माँग की है। कहा कि इससे निर्धन - निर्बल वर्ग के लोग जहाँ बीमारियों का इलाज करा सकेंगे वहीं उनकी अर्थव्यवस्था को और ज्यादा कुप्रभावित होने से भी बचाया जा सकेगा।

सदगुरु को मिला प्रतिष्ठित CIF ग्लोबल इंडियन अवार्ड

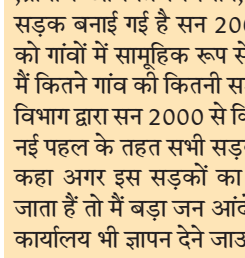

मुंबई। कनाडा इंडिया फाउंडेशन (CIF) ने वर्ष 2024 के लिए दिए जाने वाले प्रतिष्ठित ग्लोबल इंडियन अवार्ड की घोषणा कर दी है। इस बार यह अवार्ड ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु को दिया जाएगा। सदगुरु पुरस्कार स्वरूप मिलने वाली 50 हजार कनाडाई डॉलर की धनराशि कावेरी कॉलिंग संस्था को देंगे। यह संस्था भारत में नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए कार्य करती है। कनाडा इंडिया फाउंडेशन द्वारा यह सम्मान भारतीय मूल के उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने वैश्विक स्तर पर अपना गहरा प्रभाव छोड़ा है। सद्गुरु पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के साथ ही मानव चेतना को आगे बढ़ाने को लेकर संपूर्ण विश्व को जागरूक कर रहे हैं। कनाडा इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष रितेश मलिक ने कहा कि हम खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि सद्गुरु न केवल सम्मान स्वीकार किया है बल्कि टोरंटो में होने वाले पुरस्कार समारोह में उपस्थिति के लिए भी सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि सद्गुरु के विचार सम्पूर्ण मानवजाति के लिए प्रेरणादायक है। वे प्राचीन गूढ़ भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान को बहुत ही सरल और स्पष्ट तरीके से आम जनमानस को समझाते हैं। उन्होंने कहा कि सद्गुरु व्यक्ति के पूर्ण व्यक्तिगत विकास के लिए व्यावहारिक समाधान प्रदान करते हैं और साथ ही मिट्टी के क्षरण, जलवायु परिवर्तन और खाद्य गुणवत्ता जैसी विश्वव्यापी चुनौतियों के दीर्घकालिक समाधान भी देते हैं। रितेश मलिक ने कहा कि वर्तमान समय में सद्गुरु के विचार बहुत ही प्रासंगिक है। सद्गुरु के विचारों से कनाडा के निवासी भी लाभ उठा सकता है। सद्गुरु के उपदेश व्यक्तिगत कल्याण, स्थिरता और समावेशिता पर केंद्रित होते हैं। बकौल रितेश मलिक योग, ध्यान और माइंडफुलनेस पर उनका जोर कनाडा की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के साथ पूरी तरह से मेल खाता है, खासकर बड़ी चुनौती बनते मानसिक बीमारी के संदर्भ में।

पीचरोड मरम्मत हेतु जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर। जिला अधिकारी को सामाजिक कार्यकर्ता जजसिंह अन्ना ने मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन सौपा है। मांग है कि जौनपुर जनपद, मछली शहर लोकसभा के अंतर्गत आने वाली हर गांव में जिला पंचायत, मंडी परिषद ,ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, सिंचाई विभाग अन्य विभाग द्वारा जो भी सड़क बनाई गई है सन 2000 से लेकर 2017 तक की सभी सड़कों को गांवों में सामूहिक रूप से मरम्मत कार्य कराया जाए। अन्ना ने कहा मैं कितने गांव की कितनी सड़के गिनाऊंगा। इसलिए सभी विभाग अपने विभाग द्वारा सन 2000 से कितनी सड़के बनाई गई हैं और मुख्यमंत्री की नई पहल के तहत सभी सड़कों को मरम्मत कार्य कराया जाए। अन्ना ने कहा अगर इस सड़कों का सामूहिक मरम्मतत कार्य नहीं शुरू किया जाता हैं तो मैं बड़ा जन आंदोलन भी अब करने को तैयार हूं, मुख्यमंत्री कार्यालय भी ज्ञापन देने जाऊंगा ।

योगी ने काशी सहित पूर्वांचल के खिलाड़ियों को दिया दीपावली गिफ्ट

*** डॉ.भीमराव आंबेडकर क्रीड़ा संकुल में बढ़ी सुविधाएं**
*** लालपुर क्रीड़ा संकुल में 200 बेड के हॉस्टल और 600 की क्षमता वाले हॉकी पवेलियन का आगाज**
*** आने वाले दिनों में अब खेल प्रतिभा और उड़ान भरने वाली है**

-सुरेश गांधी

वाराणसी। योगी सरकार ने खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को दीपावली के पहले बड़ी सौगात दी है। पूर्वांचल में खेल की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही सरकार ने खिलाड़ियों को डॉ.भीमराव आंबेडकर क्रीड़ा संकुल,लालपुर में खेलों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं की सौगात दी है। अब खिलाड़ियों के रहने, कैंप व प्रतियोगिताओं के दौरान रुकने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

योगी सरकार ने बालक-बालिकाओं के लिए हॉस्टल तथा हॉकी मैच देखने के लिए पवेलियन का निर्माण कराने के साथ ही अन्य सुविधाएं प्रारंभ कराई हैं। हॉस्टल के निर्माण से वाराणसी से दूर पूर्वांचल के अन्य जिलों की खेल प्रतिभाओं को यहां आकर रहने और बेहतर प्रशिक्षण की सुविधाएं मिलेंगी। बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 20 अक्टूबर को ये सुविधाएं खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को समर्पित की गई हैं।

क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी विमला सिंह ने बताया कि डॉ. भीमराव आंबेडकर क्रीड़ा संकुल,लालपुर में 12.99 करोड़ की लागत से 100-100 बेड का बालक और बालिकाओं के लिए अलग अलग हॉस्टल का निर्माण हुआ है। इस हॉस्टल के बनने से नियमित खिलाड़ियों के साथ ही कैंप और खेल प्रतियोगिता में आने वाले खिलाड़ियों के रुकने के लिए सुविधा होगी। इसके साथ ही स्टेडियम में करीब 600 लोगों की क्षमता का दर्शक दीर्घा बनकर तैयार हो गया है।

स्टेडियम में चेंजिंग रूम स्टाफ रूम एवं बालक बालिकाओं के लिए स्पोर्ट्स हाल आदि की सुविधाएं भी बढ़ी है। इंटरनेशनल एथलीट नीलू मिश्रा ने कहा कि पूर्वांचल के कई जिलों से बड़ी तादाद में खेल प्रतिभा वाराणसी आती है। अब लड़कों और खास तौर पर लड़कियों के लिए डॉ भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम लालपुर में बना हॉस्टल खेल के लिए मील का पत्थर साबित होगा। जो खिलाड़ी सुविधाओं के अभाव के कारण घरों से नहीं निकल पाते थे, योगी सरकार ऐसी खेल प्रतिभाओं को निखरने का मौका दे रही है। ये हॉस्टल समय-समय पर आयोजित होने वाले कैंप और खेल प्रतियोगिता में आने वाले खिलाड़ियों के लिए भी काफी सुविधाजनक होगा।हॉकी मैच देखने के लिए दर्शक दीर्घा बनने और अन्य सुविधाओं से नए खिलाड़ियों को मैच देख कर सीखने का मौका मिलेगा, वही खेल प्रेमी मैचों का आनंद ले सकेंगे।

इंटरनेशनल एथलीट नीलू मिश्रा ने बताया कि पूर्वांचल के कई जिलों से बड़ी तादाद में खेल प्रतिभा वाराणसी आती है। अब लड़कों और खास तौर पर लड़कियों के लिए डॉ भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम लालपुर में बना हॉस्टल खेल के लिए मील का पत्थर साबित होगा। जो खिलाड़ी सुविधाओं के अभाव के कारण घरों से नहीं निकल पाते थे, योगी सरकार ऐसी खेल प्रतिभाओं को निखरने का मौका दे रही है। ये हॉस्टल समय-समय पर आयोजित होने वाले कैंप और खेल प्रतियोगिता में आने वाले खिलाड़ियों के लिए भी काफी सुविधाजनक होगा।हॉकी मैच देखने के लिए दर्शक दीर्घा बनने और अन्य सुविधाओं से नए खिलाड़ियों को मैच देख कर सीखने का मौका मिलेगा, वही खेल प्रेमी मैचों का आनंद ले सकेंगे।

उत्तर यादव युवा संघ की मासिक बैठक सम्पन्न

कल्याण(उत्तरशक्ति)। उत्तर यादव युवा संघ रजि. कल्याण जिला की मासिक बैठक 20 अक्टूबर रविवार को 1 बजे से 3 बजे तक अम्बरनाथ विधानमंडल में रखा गया था। जिसकी अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय महासचिव विजय बहादुर एल यादव, संघ के राष्ट्रीय सचिव सुरेश चंद्रबदन यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पारसनाथ यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय यादव, कल्याण जिला अध्यक्ष जितेन्द्र जगरदेव यादव, जिला महासचिव चौधरी रामप्रवेश यादव, जिला शिक्षा समिति के अध्यक्ष उदय राज यादव, अम्बरनाथ विधानमंडल महासचिव विरेन्द्र यादव, डोंबिवली विधानमंडल अध्यक्ष सुरेश शोभाराम यादव, बदलापुर विधानमंडल सचिव श्रीकृष्णा रामसेवक यादव, कमलेश यादव, रमेश यादव, बदलापुर से चल कर आए विश्राम यादव, आदि सभी लोगों ने संघ को सुचारू रूप से चलाने एवं मजबूत करने के विषय पर विस्तार से चर्चा की गयी।

ब्लू डार्ट का 'दिवाली एक्सप्रेस' देश-विदेश के गिफ्ट शिपमेंट पर दे रहा है एक्सक्लूसिव डिस्काउंट का तोहफा

मुंबई। दक्षिण एशिया में एक्सप्रेस एयर ट्रांसपोर्टेशन और इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स सेवाएँ प्रदान करने वाली प्रमुख कंपनी, ब्लू डार्ट एक्सप्रेस लिमिटेड ने रोशनी के त्योहार की खुशी और गर्मजोशी के साथ शुरूआत करने के लिए अपने विशेष 'दिवाली एक्सप्रेस' ऑफर की घोषणा की है। यह ऑफर केवल सीमित समय तक, यानी 2 नवंबर, 2024 तक मान्य है, जिसके तहत देश-विदेश के दिवाली गिफ्ट शिपमेंट पर बेमिसाल डिस्काउंट की पेशकश की गई है। इस अवधि के दौरान, ग्राहक 2 से 10 किग्रा वजन वाले घरेलू शिपमेंट पर 40% तक के डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं, जबकि देश के बाहर सभी प्रमुख बाजारों में 3 किग्रा, 5 किग्रा, 10 किग्रा, 15 किग्रा, 20 किग्रा और 25 किग्रा वजन वाले इंटरनेशनल नॉन-डॉक्यूमेंट शिपमेंट पर 50% तक के डिस्काउंट का आनंद ले सकते हैं। यह ऑफर कुछ शर्तों के साथ डोमेस्टिक प्रायरिटी और इंटरनेशनल शिपमेंट दोनों के लिए लागू है। ब्लू डार्ट का 'दिवाली एक्सप्रेस' ऑफर ग्राहकों को हैम्पर्स, मिठाइयाँ और अपैरल्स जैसे तोहफे भेजकर अपनों के साथ त्योहार की खुशियाँ मनाने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। ब्लू डार्ट पूरे भारत में 56,000 से अधिक स्थानों के अलावा दुनिया भर के 220 देशों एवं क्षेत्रों में अपनी सेवाएँ उपलब्ध कराता है और यह सुनिश्चित करता है कि हर तोहफा बिल्कुल समय पर पहुँचे ताकि त्योहारों को और भी खुशनुमा बनाया जा सके। ब्लू डार्ट ने हमेशा इनोवेटिव और वैल्यू पर आधारित सॉल्यूशंस प्रदान करके ग्राहकों के अनुभव

कांग्रेस सी डब्ल्यू सी सदस्य,पुर्व मंत्री मो.आरिफ नसीम खान के जन्म दिवस पर बधाई एवम शुभ कामनायें प्रदान करते हुए डॉ.सचिन सिंह महासचिव उत्तर भारतीय सेल महाराष्ट्र कांग्रेस। छायाः उत्तरशक्ति

बोरीवली तहसीलदार कार्यालय के समक्ष जारी धरना स्थगित

पुलिस ने दिया मीटिंग का आश्वासन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई के दहिसर पश्चिम स्थित गणपत पाटील नगर के हजारों निवासियों द्वारा वर्षों से लंबित मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर 24 अक्टूबर 2024 को बोरीवली तहसीलदार कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया था। इस आंदोलन के तहत क्षेत्र के करीब 50 से 60 हजार लोगों ने लाइट, सड़क, गटर, राशन कार्ड जैसी आवश्यक सुविधाओं की मांग को लेकर विरोध जताने का निर्णय लिया था। यह प्रदर्शन मौजे एक्सर न भू क्रमांक 532 सर्वे नंबर 221 गणपत पाटील नगर से संबंधित लंबित समस्याओं के संदर्भ में किया जा रहा था, जहां लगभग चार साल से नागरिकों की मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। 2020 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता जयंत पाटिल ने भी जिलाधिकारी और बीएमसी को पत्र लिखकर इन समस्याओं को हल करने की मांग की थी। इसके अलावा, सामाजिक कार्यकर्ता मनीष दुबे ने भी कई बार संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर सुविधाएं प्रदान करने की अपील की थी। लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे नागरिकों में गहरा आक्रोश है। 21 अक्टूबर को बोरीवली पश्चिम पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक मालोजी शिंदे ने धरना आयोजकों को अपने कार्यालय में बुलाकर विस्तृत चर्चा की। इस बातचीत के दौरान उन्होंने आंदोलनकारियों को जल्द ही संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिया। इस आश्वासन के बाद फिलहाल धरना स्थगित कर दिया गया है। मनीष दुबे ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमारा उद्देश्य धरना प्रदर्शन करना नहीं है, बल्कि हमारी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की मांग है। हमें चार साल से कोई सुविधा नहीं दी गई, जबकि कई बार प्रशासन को पत्र लिखे गए। अब पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस मुद्दे पर ठोस बैठक होगी, इसलिए हम फिलहाल धरना स्थगित कर रहे हैं। गणपत पाटील नगर के निवासियों की यह लड़ाई न केवल बुनियादी सुविधाओं के लिए है, बल्कि उनकी गरिमा और जीवन स्तर को सुधारने के लिए भी है। अब देखना यह है कि पुलिस और प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन पर कब और कितना अमल किया जाता है। यदि जल्द ही सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो नागरिक फिर से विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना सकते हैं। साथ ही इस मौके पर मनीष दुबे प्रवक्ता NCP शरद चंद्र, विनोद तिवारी, अंजनी मिश्रा, सरोज पाण्डेय, जितेन्द्र गुप्ता, उमाशंकर गुप्ता, इंदला सरोज, कुसुम सिंह, निशा पठान, सीमा विश्वकर्मा, मालती जैसवाल, विपुल समानी, इलियाज अंसारी, एसपी शर्मा, तरुण त्रिपाठी, शैलेन्द्र याद, राजू शर्मा, राकेश मिश्रा, धीरेन्द्र तिवारी, बिहारीलाल भरद्वाज, निजाम इराकी, समीम शैख, सुनील गुप्ता, संतोष कदम, अनिल गुप्ता, सौरभ तिवारी, अमन भक्त, उमेश पाण्डेय, रंजित शर्मा उपस्थित थे।

ब्रह्मपुत्र वैली फिल्म महोत्सव ने अपने 9वें संस्करण की तिथियों की घोषणा की

मुंबई। ब्रह्मपुत्र वैली फिल्म महोत्सव ने अपने बहुप्रतीक्षित 9वें संस्करण की घोषणा की है, जो 5 दिसंबर से 8 दिसंबर, 2024 तक गुवाहाटी के काहिलीपारा में ज्योति चित्रबन फिल्म स्टूडियो में आयोजित होने वाला है। इस वर्ष, यह महोत्सव पूर्वोत्तर भारत और अन्य क्षेत्रों की सशक्त कहानियों वाली जीवंत फिल्मों के चयन के साथ दर्शकों को आकर्षण के लिए तैयार है। इस वर्ष 220 से अधिक फिल्म प्रविष्टियों के साथ, महोत्सव प्रतिस्पर्धी और गैर-प्रतिस्पर्धी दोनों वर्गों में फिल्मों का एक व्यापक चयन प्रस्तुत करेगा, जिसमें फीचर फिल्म, वृत्तचित्र और लघु फिल्म जैसी श्रेणियां शामिल हैं। गैर-प्रतिस्पर्धी श्रेणी में सिनेमाई कार्यों की एक विविध श्रृंखला को भी उजागर किया जाएगा जो मान्यता और प्रशंसा के योग्य हैं। दोनों श्रेणियों का उद्देश्य उद्योग के भीतर विचारों के आदान-प्रदान और सार्थक बातचीत को प्रोत्साहित करते हुए प्रतिभाशाली फिल्म निमार्ताओं को प्रेरित करना, उनसे जुड़ना और उन पर प्रकाश डालना है। ब्रह्मपुत्र वैली फिल्म महोत्सव की निदेशक तनुश्री हजारिका ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि ब्रह्मपुत्र वैली फिल्म महोत्सव का 9वां संस्करण 5, 6, 7 और 8 दिसंबर, 2024 को गुवाहाटी के ज्योति चित्रबन में आयोजित किया जाएगा। क्षेत्रीय सिनेमा को वैश्विक मंच पर लाने के लिए एक पैशन प्रोजेक्ट के रूप में जो शुरू हुआ, वह अब भविष्य के उभरते कहानीकारों के लिए एक मंच बन गया है हर साल, हमारी यात्रा और भी सार्थक होती जाती है, जिसमें साझा करने के लिए और भी कहानियाँ जुड़ जाती हैं और नए सम्पर्क बनाने के अवसर मिलते हैं। इस साल, हमें बेहद गर्व के साथ फिल्मों की एक असाधारण लाइनअप ला रहे हैं जो क्षेत्रीय भावना और वैश्विक दृष्टिकोण दोनों को दशार्ती है।

मारुति सुजुकी अरीना डेविल्स सर्किट का 8वां एडिशन उत्साह और उमंग के साथ पूरा हुआ

मुंबई। मारुति सुजुकी अरीना डेविल्स सर्किट के मुंबई एडिशन का सभी को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है और इसका 8वां एडिशन खासे उत्साह के साथ सफलतापूर्वक पूरा हुआ। भारत की सबसे बड़ी ऑब्सटेकल रनिंग सीरीज के तौर पर आयोजित इस इवेंट को मिले प्यार की बदौलत फिर से यह साबित हुआ कि यह आयोजन एक अनोखा और सभी का पसंदीदा खेल आयोजन है। मुंबई में 20 अक्टूबर 2024 को हुए इस आयोजन में अलग-अलग बैकग्राउंड के प्रतिभागियों ने भाग लिया और इस ऑब्सटेकल रेस में अपनी दावेदारी पेश की। इस रेस को इस तरह डिजाइन किया गया था कि इसमें प्रतिभागियों की मानसिक और शारीरिक क्षमता की कड़ी परीक्षा होती है। इस आयोजन का मकसद लोगों के बीच फिटनेस, जुड़ाव की भावना और रोमांच को जीने की ललक पैदा करना था और इस संस्करण में वही रोमांच देखने को मिला जिसके लिए मारुति सुजुकी अरीना डेविल्स सर्किट पूरे देश में एक अलग पहचान रखता है। इस आयोजन के शुरू होने के साथ ही इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी जमा होने लगे थे और जल्द ही वॉर्म-अप सेशन और मुख्य गतिविधियों से माहौल में गर्मजोशी आ गई। इस वातावरण ने सभी को आने वाली चुनौती का बेहतर ढंग से सामना करने के लिए तैयार कर दिया। पहली बार में कुछ प्रतिभागी मैदान में उतरे और फिर हर 20 मिनट में प्रतिभागियों की एक नई खेप अपने उत्साह का प्रदर्शन करने के लिए तैयार थी। इस तरह की प्लानिंग से सुबह से नियमित अंतराल पर प्रतिभागी मैदान में नजर आते रहे।

उर्जा फाउंडेशन का चौथा रास गरबा का आयोजन

नालासोपारा(उत्तरशक्ति)। पिछले तीन वर्षों की तरह इस वर्ष भी उर्जा फाउंडेशन ने शार्द्ध पूर्णिमा के अवसर पर KMPD स्कूल, नालासोपारा पूर्व में चौथा रास गरबा कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन उर्जा फाउंडेशन की टीम द्वारा किया गया, जिसमें सभी समर्पित सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि श्रीमती. प्रवीना ठाकुर और अन्य अतिथियों में नालासोपारा के युवा विधायक क्षितिज ठाकुर, उमेश नाइक समाज सेवक, रुपेश जाधव समाज सेवक, चंद्रकांत मोदी अखिल भारतीय समाज सेवक, प्रवीण पटेल विन केबल, हटवे, यश माने सामाजिक कार्यकर्ता, ओमप्रकाश प्रजापति उत्तरशक्ति टीवी न्यूज के संपादक मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत माता रानी के आशीर्वाद से हुआ। जिसमें 500 से अधिक गरबा प्रेमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन शानदार पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। जिसमें 50 से अधिक पुरस्कार वितरित किए गए। जिनमें 2 स्वर्ण पुरस्कार और 7 रजत पुरस्कार भी शामिल थे। उर्जा फाउंडेशन के सदस्यों की जीवंत गायकी से प्रतिभागियों में उत्साह बढ़ा।

ऊर्जा फाउंडेशन ने अपने सभी प्रायोजकों का धन्यवाद किया। जिन्होंने अपने अमूल्य योगदान से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मदद की। कार्यक्रम को सफल बनाने में उर्जा फाउंडेशन के सदस्यों में विरेंद्र उपेंद्र पंड्या, श्रीमती भारती माधवी, महादेव कदम, श्रीमती रत्नप्रिया सहाय वर्मा, ब्रिजेश वर्मा, श्रीमती रिद्धि त्रिवेदी, धीरज शंकर, गोरेगांवकर,करण सोलंकी, सुसिल कुमार नाइक, पार्थ व्यास, श्रीमती हेमा सुनील ढाके, तेजस मकवाना, प्रफुल नेमन, मोहित अगस्तमुनि दुबे, श्रीमती रोमा ढाके, चंद्रकांत सोनवने, दीपक काकड़, श्रीमती.सीमा पंकज नाथ, श्रीमती.विद्या चव्हाण, मयंक, नागराज, करण सोलंकी, श्रीमती भावना शिवाले, प्रदीप चव्हाण, निकुंज सोनी, श्रीमती सोनम सोनी, श्रीमती स्मिता चौधरी मौजूद रही।

भराड़ी देवी मां के आशीर्वाद से रवींद्र चव्हाण ने फोड़ा प्रचार का नारियल

डोम्बिवली। भाजपा नेता रवींद्र चव्हाण ने आज सिंधुदुर्ग जिले के भाजपा कार्यकताओं और पदाधिकारियों के साथ कोंकण के शक्ति पीठ के रूप में प्रसिद्ध श्री क्षेत्र अंगनेवाड़ी देवस्थान का दौरा किया। इस मौके पर चव्हाण ने श्री भराड़ी देवी मां के चरणों में माथा टेक कर चुनाव प्रचार का नारियल तोड़ा।

इस वर्ष, भाजपा के अभियान प्रमुख के रूप में, पार्टी ने उन्हें राज्य भर में प्रचार अभियान संभालने की जिम्मेदारी सौंपी है। इसलिए व्यक्तिगत जीत के साथ-साथ महायुति के सभी उम्मीदवारों की जीत के लिए उन्होंने देवी मां से आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वह अपने डोम्बिवली निर्वाचन क्षेत्र और राज्यव्यापी अभियान के रूप में दोहरी जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाएंगे और राज्य में महायुति की सरकार बनाएंगे।

महायुति में से कौन उम्मीदवार है, किस पार्टी उम्मीदवार है, ये सोचे बिना, महायुति के धर्म के अनुसार हर एक उम्मीदवार के पीछे हमें मजबूती के साथ खड़ा रहना पड़ेगा, ताकि महायुति का हर एक उम्मीदवार जीत सके, ऐसी सलाह मंत्री रविंद्र चव्हाण ने राज्य भर में कार्यरत महायुति के कार्यकताओं को दी है। रवींद्र चव्हाण ने कहा कि बीजेपी पार्टी ने एक बार फिर मुझ पर विश्वास दिखाते हुए मुझे डोंबिवली से उम्मीदवार बनाया है, इससे कार्यकताओं में उत्साह है और हम सभी महायुति की जीत के लिए पूरी ताकत से काम करने जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान नारायण राणे साहब ने रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा क्षेत्र में जिस तरह से पूरी ताकत लगाकर जीत हासिल की, उसी तरह महायुति तल कोंकण में सौ प्रतिशत जीत हासिल करेगी।ह ऐसा विश्वास रवींद्र चव्हाण ने व्यक्त किया। इस अवसर पर भास्कर आंगणे, बाला आंगणे ने आंगणे परिवार की ओर से रवींद्र चव्हाण का स्वागत किया।

चांदीवली संघर्ष नगर में पाल धनगर सेवा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल पाल को जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे शिव सेना के आमदार दिलीप मामा लांडे विधायक, ब्राह्मण समाज सेवा के सिद्धेश्वर महादेव के पदाधिकारी सहित तमाम संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। छायाः उत्तरशक्ति